बाजीनारिआंखआंजी एकआँजबेनपाईहै । बाजीकहैं भयोशोर बाजीकहैंकौनओर बाजीकहैंचित्तचोर बांसुरीबजाईहै ॥ बाजीकहेंबढ़ावारसुनेझनकारथके रविरथबाजी। बाजी२कहैंमनमोहनीमुरलीफिरबाजी२ बाजीउठींअकुलाय बाजीचलींधायकहैंकैसीबाजी । बाजी २ नैनदैसैनकहैंऐसीबाजी ॥बाजीकहेंसखिमिलो समयहै भलोचलोजैसीबाजी। बाजी २ कहेंधुनिसुन सखिपुनवैसीबाजी॥कबित्त॥ बाजीमगभूलगईंयमुनाकेकूल बाजीहियेबिचफूल बाटगहेबंशीवटकी । बाजीचलीं भागउठीमदनकीआगजाग बाजीबाग २ घूमैंमानेनहीं हटकी ॥ बाजीभूलीभौन बाजीकहेंहमकौनबाजीखींच बैठीमौन बाजीबातेंकरेंचटकी।बाजीकहेंजादूकीनबाजीक हेंमोहलीन बाजीकहेंबाजीबीन श्यामनटखटकी॥ बाजी कहेंचलअलीजहांहारिछलीकरेंकसदमबाजी। बाजी २ कहेंमनमोहनीमुरलीफिरबाजी३ बाजीकहेंकहूंनिकट बा जीकहेंबिकट बंशीबटतरबाजी। बाजी२कहेंसखिसुनोम नोघर २बाजी॥ बाजीसुनेमनलाय बाजीकहेंहाय आज दिनभरबाजी। बाजी२ कहेंयाधन्यश्याममुखपरबाजी। कबित्त॥ बाजीकहेंआजसौतबीनरहीबाज बाजीकहेंब्रज राजपढ़मोहनीबजाईहै। बाजीकहेंब्रजजनमोहेसुनतनम नबाजीकहेंघरबनघोरध्वनिछाईहै॥ बाजीकहेंसुरवरमोहे ध्वनिसुनकरबाजीकहेंगिरिधरअधरलगाईहै।बाजीकहेंरे नुधन्यबाजीकहेंधेनुधन्य बाजीकहेंबेनुधन्यश्यामसुखदा ईहै॥ दुबेरामपरसादकीराखहुयादराधेजगदम्बाजी।बा जी२कहेंमनमोहनीमुरलीफिरबाजी ४॥ख्याल॥ नँदलाल

बजाबंशीब्रजचहतउजारन। नहिंचैनपड़ेअबलगेजरि
नकोजारन॥ टेक॥ नवसप्तअभूषणसाजिकृष्णकेकार
न। नासुरतरहीलगींउलटेसकलसिंगारन। नूपुरकर
पगलगीककनापहुंचीडारन। नवबधूमांगकाजलसे
लगींसम्हारन॥ नैननसेंदुरबनबनीफिरेबंजारन॥टेक॥
नहिंचैनपड़ेअबलगेजरिनकोजारन १ नखपगदेबंदन
जावकलागालिलारन। नागनसेश्यामकचगुहेमोतीके
हारन॥ नाकमेंबालाबालाकीन्हेंधारन। नकबेसरलट
कनकानमेंलगीसुधारन॥ नघ्रताकरेंकोईबातेंबकेहजा
रन॥ टेक॥ नहिंचैनपड़ेअबलगेजरिनकोजारन २
नशगईलाजउनमत्तबनीमतवारन। नाचेंगावेंकुलकान
तजीब्रजनारन॥ नागरीनेहमेंतनमनकीनेवारन। नां
घतकुशकंटकचढ़तीजायपगारन॥ निरखेइतउतको
तिरछेनैननजारन॥ टेक॥ नहिंचैनपड़े ३ ॥ नामलेत
सखियनकोलगीपुकारन। नटखटबंशीलागीमोहनी
शब्दउचारन॥ नभभानुथकेतजसमाधित्रिपुरसंहार
न। नारदसुरेशसुनिध्वनिलागबिचारन॥ नईगति
द्विजरामप्रसादलागललकारन। टेक॥ नहिंचैनपड़े
अबलगेजरिनकोजारन ४॥ ख्याल ५ रंगत ऊपरकी॥
मनमोहनीमोहनबीनबजाईजैसी। सुरनरमुनिगंध्रब
बजासकेनऐसी॥ टेक॥ शिवधायेछोड़कैलासमेंशिवा
अकेली। परीभ्रमरलोकमेंसबकोतालाबेली॥ इंद्रानी
रम्भाइंद्रतजीनवेली। बात्रीसीकरदीसुरत्रियांनाग
सहेली॥ दोहा॥ अश्वथकेसेरहगये सुनधुनिजके
दिनेश। चहूंदिशाचकृतभयेचितवतचारोंओरगनेश॥

सातोंसुरतीनोंग्रामकीभईउदैसी टेक ॥ १ त्रिभुव-
गतियाअद्भुतआजबजाई । मोहनीबीनत्रिभुवन-
मोहनीछाई ॥ बाणीजीबीनगतिभूलरहीसकुचाई ।
नारदभूलेसांगीतरीतिनिपुणाई ॥ दोहा ॥ आठोंकानन
सेसुनीजबमुरलीझनकार । सबरचनाकीचातुरीभूल
गयेकरतार ॥ चारोंमुखनिकलेबजी २ इकलैसी टेक २ ॥
यमराजमौनभयेसुनेश्यामकीबंसुरी । चित्रगुप्तिग
येभूलवहीढिगपसरी ॥ यमदूतफिरेमगभूलेलियेकर
फसरी । मुनिमनुजदनुजसबभयेबंशीकेबसरी ॥ दोहा ॥
छयेउरागयुतरागिनी सुरयुतउपजमरोर । हर्षितहो
बंशीविषय गावतनंदकिशोर ॥ संतोंकोसुखदअसुरों
कोबढ़ावतभैसी ॥ टेक ॥ सुरनरमुनिगंधर्ववजासकेना
ऐसी ३ बृजबनिताधाईबिकलश्रृंगारबनाके । नैननमें
सेंदुरकाजलमांगभराके ॥ जावकसेदांतरंगमिस्सीपांव
लगाके । नखशिखश्रृंगारउलटाकरमनहर्षाके ॥ दोहा ॥
मोहितभयेसबचरअचर सुनबंशीकीनाद । गईसखी
सबहरिनिकट कहेंदुबेरामपरसाद ॥ अद्भुतबंशीयह
सुनोकहींहैजैसी ॥ टेक ॥ सुरनरमुनिगंधर्ववजासकेना
ऐसी ॥ ४ ॥ ख्याल ६ लंगड़ीरंगत ॥ बैरहमारेपड़ीरहतहर
घड़ीसौतबैरनबंसुरी । मैंअन्तबसोंगीसौतव्रजधामश्या
मढिगतूबसरी ॥ टेक ॥ तूहैकाठकठोरकर्ममैंतोरकुटिल
वरणोंकसरी । हैनिरमोहनअरीबिषभरीखरीतूंनसनस
री ॥ जैसीहैतूलटीवैसीहीकटीजरीनखशिखतसरी ।
हैअघखानीकुजातनकुलघातनतूहैअसरी ॥ रहासुयश
असजागलगावतआगबंशनिजतनधसरी ॥ टेक ॥ मैं

अंतबसोंगी १ सौतबनीहैनईबिथावेदईहैतूनेदिशदस
री। हमसबतरसेंअरीतूछियेपियेहरिमुखरसरी॥ ना
जानोंका कीन्ह मोहमनलीन्ह अरीतूबरबसरी। तल
फतहमकोजातदिनरातचलतनाकुछबसरी॥ तोहअ
धिकखुशयालीचहतबनमालीरहीसुखपरलसरी॥ टेक॥
मैंअंत० २ सुना२ केशोरअरीतूमोरगईतनमनडसरी।
चैननआवेतानज्योंबानगईमनमेंगसरी॥ हाटबाटघर
घाटजितै मैंदेखोंतितेहैतूपसरी। बरबसबसमेंकीन्ह
दुःखदीन मेरेतनमेंधसरी॥ हमरोकीन्हअकाजमो
हब्रजराजडारजादूफसरी॥ टेक॥ मैंअंत० ३ पाऊं
तोहदुखदाईकरोंमनभाई निकलजावेभसरी। छेद २
मेंअरीसुनकूरधूरभरोंठसठसरी॥ दुबेरामपरसाद न
निकलेनादब्रजेतूकसकसरी। जबतकतूनामिले जीजले
रहोंकरकसमसरी॥ जबसेतेरीधुनसुनीमोहेसुरमुनीजी
वपक्षीपसरी॥ टेक॥ मैंअन्तबसोंगीअरीब्रजधामश्याम
ढिगतूबसरी ४ ख्याल ७वां लंगड़ीरंगत॥ सुनसजनीरजनीस
बतलफीबजीथीजबयमुनातटरी। धुनअटपटरीबजाई
बीनश्यामाफिरनटखटरी॥टेक॥ सातसुरनमनहरणउपज
उपराजतबैरनभटभटरी। मनगटपटरीकरतधुनपरत
कानबुधगईघटरी॥ सुभगअधरधरगिरिधरबंसुरी खड़े
जहांबंशीबटरी। मोरमुकुटरीसुहावनपावनअलिपीरो
पटरी॥ सुनतअनोखीतानध्यानध्याननकेजातछिनमें
हटरी। धुनअट०॥ टेक १॥ लाजतहैंबहुकामश्याम
छबिधामसुभगनागरनटरी। धुनलटपटरीघनीछबि
बनीमुँहपैलटकेलटरी॥ वंशीमेंहोश्यामसखिनको

नामरहेसजनीरटरी । सजभ्कटपटरीश्यामढिगचलो मिलोमततूंनटरी ॥ बैरनवंशीसुघरपियतरसअधरम गनहोगटगटरी । धुनअटपटरी बजाईबीनश्यामफि रनटखटरी २ सुना २ के शोरअरीमनलीन्हमोरबंशी जटरी । बसकेचटरी तानज्योंबानगईचितमेंठट री ॥ मनवरजोनारहेमिलनकोचहेतजोंसबखटखटरी । पगअनवटरी साजसबसाजआजकिंकिणकटरी ॥ सा रीरातमैंजगी आंखनलगी लीन्हनकरवटरी । धुन अटपटरी बजाईबीनश्यामफिरनटखटरी ३ जादू सीकरदीनमोहमनलीनबीनधसघटघटरी । रहीहैसटरी सखीतनमेंमनमेंघरपनघटरी ॥ बंशीबटमगगहानमान तकहाहोतघरखटपटरी । सबभ्कटपटरीश्यामढिगगई बामदुखगाकटरी ॥ दुबेरामप्रसादकोनिशिदिनयादबी नकाआहटरी॥टेक॥धुनअटपटरी०॥४॥ ख्याल ८॥कहि२ बारहजारगईमेंहारनमानततूंबंसुरी । मैंतजदेहोंसौतब्र जमेंअबबैरनतूंबसरी ॥ टेक॥ जितनीहैतूंछोटीउतनीखो टीभरेऔगुणभारी। ऐसीनहोतीअरीतोक्योंहोतीमुंहकी कारी॥ हमसेकरतमिजाजआजमैंजानोंकथातेरीसारी। यहीगुणोंसेअरीतूंगईदेखनखशिखजारी ॥दोहा॥ पोर २ सबतनकटेहटेनऔगुणतोर । दशोंदिशादुखबैगईलेग ईसुःखबटोर॥ होतनपलभरन्यारीचहतगिरिधारीपियत अधरनरसरी॥ टेक॥ मैंतज० १ लगाकेवनमेंआगअरी तूभागबचीदुखदाईहै । ढिगवासनकोजरायेयहीतोरिप्र भुताईहै ॥ जहां२तूरहीदशाभईयहीसुकीरतछाईहै।दुख बनितनकोदेनहितब्रजमण्डलमेंआईहै ॥ दोहा ॥ बनसे

तुखेदीगईछेदीतोहिंलुहार। अरीलटीसबतनकटी तन कननिकसोसार ॥ नखशिखभरीकुचालअरीतूंचालसु चालचलेकसरी ॥टेक॥ मैंतजदेहोंसौतबृजमेंअबबैरन० २ श्यामनेहमेंपगीअधरमेंलगीहमेंतरसावतहै । रस अधरनकोअरीतूगली२ढरकावतहै ॥ कैसेमानेहियोजो सुखमेंकियोसोतूअबपावतहै । सुन्नासुनाकैशोरतूजलेमें नोनलगावतहै ॥ दोहा॥ दुखदाईआईतुहीजबसेमोहन पास। तोरसबशमोहनभयेहमसेरहतउदास॥ श्यामअ धरपरबजेतनकनातजेचलतनाकुछबसरी । मैंतजदेहों सौतबृजमेंअबबैरनतै ० ३ अबतोतेरीबनआईकरले मनभाईसाथगिरिधारीके ।सोफलपैहैजोकरपरजैहैकोई बृजनारीके ॥ चीर२बेपीरटूककरमेटिहोंबैरअगारीके। चीन्हनपैहैंबिहारीढूंढ़ेसौतहमारीके ॥ दोहा ॥दुबेरामपर सादकहेंकियेबहुतउतपात ।पोर२करकाटिहोंजोकहुंला गीघात॥अबतोतेरीमनबढ़ीश्यामकरचढ़ीमोहेपक्षीपसु री।मैंतजदेहोंसौतबृजमेंअबबैरन० ४ ख्याल ९ आनन्दक न्दबृजचन्दनन्दसुतबंशीटेरसुनाओतो । वादिनकैसी बांसुरीमोहननेकबजाओतो ॥ टेक ॥ सातोसुरधुनतीन ग्राममधुरीधुनिमीठीबानीसे । जोसुनमोहेबीनकरली न्हेंनारदज्ञानीसे ॥ आठोंकाननचतुराननसुनमोहेशं करध्यानीसे। सुरपतिकहतेबांसुरीकेगुणगणइन्द्रानीसे॥ दोहा ॥ भैरौंकीधुनिभैरवीबंगालीकेबोल । वैरारीमधुमा धवी कहोसिंधवीखोल ॥ पांचोंइनकेपुत्रश्याममीठेसुर सेतुमगाओतो १ सुनकेबीनदीनहोवनितासाथराधि काआईती। इकआंखआंजकेदूसरीआंखनआंजनपा

ईती ॥ जावकदीन्हेभाललालकाजलसेमांगभराई
ती। पांवमेंसेंदुर बिवसहोबेनीएकगुहाईती ॥ दोहा ॥
धनाश्रीआसावरी मारूऔरबसन्त ।मालश्रीदरशाइ
येजिहिसुनमोहतसन्त ॥ श्रीरागअनुरागसहितमोहन
मुखसेदरशाओतो वादिनकैसी ० २ मोहगयेसुर
मुनीश्रवणधुनिसुनीऔकानलगायेथे । रविमगभूले
अश्वउलटेपूरबकोधायेथे ॥ मारुतथकेजकेनहिंडोल
तवृक्षमनोमुरझायेथे । उलटीयमुनाबहींजलचरबाह
रभगआयेथे ॥ दोहा ॥ मालकोशटोड़ीकहों शुभगुणक
लीगुपाल । गौरीऔखंभावतीऔकोकबबिशाल ॥
मेघमलारगूजरीदेशीकेशुभभावबताओतो ॥ वादि
नकैसी ० ३ भोपालीबनमालीऔरबसकरनीदीपकअ
तिआला। देशीऔकान्हराकेदारागाओतोश्रीनन्दला
ला ॥ सुनकेवाढ़तमोदसोईकामोदसुनाचहेंब्रजबाला।
करुणाकरकहियेख्यालमीठेसुरमेंकोईगुणवाला ॥दोहा॥
वेदभेदपावतनहींनेति२कहिगाय।सुनप्रभुबिनतीसखन
कीदीन्हींबेनबजाय ॥ दुबेरामपरसादछोड़केबादकृष्ण
कोध्याओतो ॥ ४ ख्याल १० ॥ कहेमुरलीराधाक्योंहम
परजरतीहो।मैंकठिनकियातपतुमक्योंनहिंकरतीहो ॥
टेक ॥ हँसखेलकेदिनतुमखोयेसखनकेगनमें। मैंएकपांव
सेखड़ीबासबन२में । तुमंकियेऐसेआरामबहुतब्रजजन
में । ग्रीषमकोघामसखिसहामैंअपनेतनमें ॥ सुख
देखहमारातुमक्योंदुखभरतीहो ॥ टेक ॥ मैंकठिन० १ ॥
तुमनेनिजघर सुखसोवतरातावितांई । मैंनेअपने
शिरपरबरसातगवाँई ॥ तुमशालदुशालाओढ़के

शीतनशाई ।गयोसूखहमारोहियोठपढअतिखाई॥मैं धरानेमसोतुमक्योंनहिंधरतीहो॥टेक॥मैंकठिनकिया०२ तुमनेपालातनतेलफुलेललगाके ।मैंनेदुखमेंदियेबारों मासाबिताके ॥ तुमआईश्यामढिगतनशृंगारबनाके । मैंमिलीश्यामकोअपनाअंगजलाके ॥ मैंहरश्याममन तुमक्योंनहिंहरतीहो ॥ टेक ॥ मैंकठिनकियातप० ३ ॥ तुमनहींदेखसकतीहोसुःखहमारो।मैंनहींलियाहैछीनये सुःखतुम्हारो ॥ सुकुमारदेहतुमसेतपजायनगारो।हरि हेतदेहछिदवायहमनेतनजारो ॥कहेरामप्रसादइसाफिक रमेंक्योंपरतीहो ॥ टेक ॥मैंकठिनकियातपतुम० ४ ॥

छन्दऊधोगोपिनकासंबाद ॥

ऊधोजीनहमरेयोगयोगजोलाये । जादीजोउसेजोयोग मेंमूड़मुड़ाये ॥ टेक॥हमयोगयोगहैंअबलानेकबिचारो। चलिसकतनबालमरालमेरुशिरभारो । शीतलजल यमुनाधोयजोअंगसवांरो॥ सोतनबनबसिअबजातको नपैजारो॥ दोहा ॥ऊधोसूधोछांड़िमगउलटोचलिहैकौन। जेहिमुखहरिगुणहमभजेंतेहिकिमिसाधेंमौन ॥ तुमहूं भूलेउसकुबिजाकेभरमाये।जादीजो० १ऊधोजीबिचा रोतुमहूंतोकछुमनमें । कहिंसोहतअमृतबेलकटीलेबन में ॥हरिखेलेहमारेसाथमेंबालापनमें॥ जोबनेवहांमहरा जयहांपरजनमें ॥ दोहा॥ सुनीकहावतसांचहैनिठुराबिदे शीलोग।शिशुपनकीसुधिभूलिकैलिखतपत्रमेंयोग ॥ चेरीकेचाकरबनेहमैंबिसराये। जादीजो० २ निरमोही मोहनकीमोहिंबातनभाती।आगीसेज्यादालागतपाती ताती ॥ जोसोयेहमारेसाथलगाकेछाती।मोलिखतयो-

गकीबातसुनीनाजाती ॥ दोहा ॥ अतरसुगन्धलगाय
केहरिगूंधेजेकेश । सोकिमिजटाबनाइये सुनिजियहो
तअँदेश ॥ हमजरीकोऊधोतुमहूंजारनआये । जा
दीजो० ३ उनश्यामसुन्दरको लिखतलाजनाआ
वे । पतिजियतकहोकोतरुणीराखलगावे ॥ ब्रजब
नितनकोयहुयोगरोगनाभावे । कुबिजाकोदीजियेजो
हरिसंगसुखपावे ॥ दोहा ॥ घरकीकरीनघाटकीछो
ड़गयेमँझधार । मरेहुयेकोमारिबोकहोकौनउपचार ॥
सुखदुबेरामपरसादश्यामगुणगाये । जादीजोउसेजो
योगमेंमूड़मुड़ाये ४ चेरीबशमेंब्रजराजलाजनाआती ।
तापरलिखिभेजीहमैंयोगकीपाती॥टेक॥हमयोगयोगवह
भोगयोगहैचेरी । कहिजातबातनाऊधौजीहरिकेरी ॥
हाँसीवहदासीसवतबनीहैमेरी । बशकीनदीनकछुमोहन
कीमतिफेरी॥ उरआगिलागिसुनिदेहजलीअबजाती ।
तापर० १ ॥ ऊधोसूधोतुमकहोश्यामसोंसोई । यहु
योगरोगब्रजबनितनसेनाहोई ॥ सुखधामश्यामतजि
आनभजैजड़जोई । मणिहारटारकसकांचसमेटैकोई ॥
तजिभौनमौनहोमोहिंननेकसुहाती । तापर० २ ॥
जेहिदेहनेहसेभेंटकुँवरकन्हाई । तेहिगातजातहैकौनसे
धूरलगाई ॥ अपनेकरगुहिवरबेणीश्यामबनाई । केहि
भांतिजातसोहमसेमूड़मुड़ाई ॥ हरितजैंभजैंहमऔर
फटैसुनिछाती । तापर० ३ ॥ तनमनधनसबमन
मोहनपरकरवारी । सबरोमरोममेंरमेंमेरेगिरिधारी ॥
बिनबनमालीनाखालीदेहहमारी। लैकहांज्ञानऔध्यान
धरैंब्रजनारी ॥ घटभरेधरेमेंऔरनचीजसमाती । ता

परलिखि० ४ यशलेहुदेहुयहुयोगजाहिजीभावै।हमबिर
हीगिरहिनकोनायोगसोहावै ॥ ऊधोगेभूलाशिषमूल
ज्वाबनाआवै।द्विजरामप्रसादअनादश्यामगुणगावै॥
मनभातीपातीकुबरीसौतिलिखाती। तापरलिखि० ५॥
पियाबिनजियाधरतनाधीर। नआयेछायेकहांबेपीर ॥
टेक॥ गाढ़जबसेअसाढ़आयो।मदननेबदनमेरातायो॥
मेघचहुँकोरघेरआयो। मोरकरिशोररागगायो॥ दोहा॥
घनगरजतलरजताजियादादुरकरतेशोर । चोरमोर
चितलैगयोआलीनन्दकिशोर॥ दीनहममीनयथाबिन
नीर। नआयेछायेकहांबेपीर १ भयावनसावनघन
धमकै।डरैअबलाचपलाचमकै॥ अँधेरीघेरीमेहझमकै।
नीचजुगनूयेबीचचमकै॥ दोहा॥ परतनकलपलभर
कहूँतलफतसारीरात । जातगातजनुसबजरावासर
नहींबिहात॥ गातथहरातनिरखिबकभीर। नआये
छाये० २ आईदुखदाईभादौंरैन। लागिउरआगि
भागिगाचैन॥ कलापीपापीपपीहाबैन। उचारैमार
जारैमैन॥ दोहा॥ चौंकिचौंकिउझकतिझझकिसुनि
झिल्लीगणटेर। कीचनीचगृहबीचमगमीचुरहीजनु
घेर॥चलैझकझोरनजोरसमीर। नआयेछाये० ३॥
कुआंरसुमासअकाससोहाय। भयोनिरमलजलथल
दरशाय॥फूलेकासगैआसबुढ़ाय।गयेयदुनाथअनाथ
बनाय॥दोहा॥ शरददरददूनोभयोजरदकियोसबगात।
पियबिदेशसंदेशनहिंयहअँदेशदिनरात॥घरीनाटरीपी
रगंभीर। नआयेछाये० ४ लग्योअबकातिकघा
तिकआन। प्रभातअन्हातहैंनारिसुजान॥ पियाबिन

दियाजलेदुखखान। दिवालीआलीलेगीप्रान॥ दोहा॥
मौनगहेनिजभौनमेंकासोंकहोंकलेश। सहतरहतदुख
कहतनाकोऊआनिसँदेश॥ नभावतगावतरागअहीर।
नआयेछाये० ५ येअगहनलागभागसुखसाज।बता
वतआवतहैसाखिलाज। सुरतिबिसरायहायब्रजराज।
बैसउतरातजातबेकाज॥ दोहा॥ तरुणाईतनमेंदिपै
छिपैनसकीछिपाय। फूलीकलीगुलाबकीअलीअली
बिनजाय॥ कामलखिबामहनतहैतीर। नआये० ६
पूसजड़कालापालापरै। मीतबिनशीतसखीकोहरै॥ कँपै
सबअंगढंगअसकरै। उठीउरपीरधीरकोधरै॥ दोहा॥
ठंढकालमेंबालसबसोवतपतिउरलाग। हमकलपैं
बिलपैंखरीअरीयेमोरअभाग॥ लोभायगेजायकहांयदु
बीर। नआये०.७ नआयोमाहउमाहमेंकन्त। गये
मोहिंबिसरसिसिरकेअन्त॥ देखुसखिलखिऋतुआई
बसंत। रहेपियछाययेजायदुरंत॥ दोहा॥ देखतपीरे
पातबनउठीकरेजेशूल। सोईमालिनिगूंधिकैलाईपीरे
फूल॥ सोहातनगातबसंतीचीर। नआये० ८ येफा
गनदागनलाग्योअंग। जियातरसैबरसैजबरंग॥ होरी
गोरीखेलैपियसंग। बजैडफढोलकतालमृदंग॥ दोहा॥
करसितारकरताललैगावततोरतताल। छइउरागयुत
रागिनीऊंचेसुरनधमाल॥ भरेझोरीरोरीऔअँबीर।
नआये० ९ चैतदुखदाईमाईलाग। पलासबिकास
लगीजनुआग॥ कलीनिकसीविकसीबनबाग। छोड़ा
वतआवतमैनबिराग॥ दोहा॥ घरबनमनलागतनहीं
सुनमधुकरगुंजार। मारझारतनमेंउठीकुसुमितविटप

निहार ॥ सुखायबनायगामोरशरीर । नआये० १० ॥
करीबैशाखनेखाखबनाय । कोकिलाफूंकगाकूकसुनायं ॥
रहेउलहातयेपातसुहाय । उदासहमैंयहुमासदेखाय ॥
दोहा ॥ बनउपवनपल्लवनयेभयेरहेलहराय शीतलमन्द
सुगन्धयुतमारुतमोहिंनसोहाय ॥ भयेबशकामअकाम
फकीर । नआयेछाये० ११जेठमेंलूकनभूकनपौन । बहै
तनदहैसहैयाकौन ॥ नहींमनमोहनसोहनभौन । मान
सखिप्राणकियोचहैगौन ॥ दोहा ॥ दुबेरामपरसादकहैं
यादमेंबारामास । बीतेजीतेजोरहीफेरमिलनकीआस ॥
सहतदुखजालभोसालअखीर । नआयेछायेकहांबेपीर
१२उपमारहितसहितशुभगुणअघदीहभरेप्रभुताकेहैं ।
अशरणशरणहरणजनमनदुखपदवृषभानसुताकेहैं टेक।
मंजुतमालतेलालगुलालतेअधिकप्रबालतेप्यारे हैं । उ
दितभानकोबिम्बकेमानकोगुंजगुमानकोटारेहैं ॥ धरणि
सूनदाड़िमप्रसूनमदइन्दुबधूनकेगारेहैं । जावकरंगको
गर्भपतंगसहितसुरंगकोवारेहैं ॥ तारनतरनभरनजग
पोषनकरनयेकल्पलताकेहैं ।अशरणशरण० १फूलपला
सउदासनिरासभरेनिकलेफुलवाईसे । करिचन्दनवंदन
मदखंडनमंडनचरणनिकाईसे ॥ फूलगुलाबखराबलगे
बेताबभयेअरुणाईसे । मेहँदीदबीछबीलखिकैसबकबी
थकेसमिताईसे ॥ अतिललामछबिधामकाममदसिंधुये
दयालुताकेहैं । अशरणशरण० २गेरूगरूरभयोदूरदेख
पदधूरजपासकुचाईहै । रसबोरीरोरीछबिथोरीपदसमि
तामेंनपाईहै ॥ इयामरमनीहनीपदलालीगनीनजासुनि
काईहै । कुसुमदीनपदसमनकीनगुड़हरकीखीनगुमराई

है। सुभगरेखपदयुगलदेखगुणअलेखउत्तमताकेहैं। अश
रणशरण० ३ हिरमिजीलटीलखिहटीघटीकुमकुमनहिं
समतिलआधाके। गंगतेपावनमुनिमनभावनतावनअ
घभवबाधाके॥ शेशगणेशमहेशमुनेशकिपूरणकरतासा
धाके। देवनारियुतअहिकुमारिदीपदपैवारिसबराधाके॥
तजिबिवादकरियादरामपरसादयेबिनसामिताकेहैं। अश
रणशरण० ४ मुसक्यायमन्ददेखलामुखचन्दसलोना।
मनलैगईकैगईचितवनमेंकछुटोना॥ टेक॥ रेशमलच्छेसे
अच्छेकेशबनेहैं। फैलीसुबासचहुंपाससुगंधसनेहैं॥ बांधे
सुधारतमतारसेखींचघनेहैं। भृकुटीहैश्यामजनुकामकेध
नुषतनेहैं॥ दोहा॥ श्रवणरुचिरताटंकहैबंकसुभगछबि
देत। चक्रलीनरतिनाथज्योंजक्तबिजयकेहेत॥ बेंदील
लामजनुमारकुमारखेलौना। मनलैगई० १ चंचलचला
कचलबांकनैनरतनारे। कंजनखंजनमदगंजनदृगमत
वारे॥ गरबीलेअधिककटीलेलागतप्यारे। गुणसीखेती
खेदीखेकजरबिनकारे॥ दोहा॥ मनमथनीनथुनीशुभग
नाकतुंडजनुकीर। नाकसकोरमरोरलखिकोनाहिंहोतफ
कीर॥ गजगामिनिभामिनिकेवशहोवैकोना॥ मनलैगई०
२ सुखमूलगुलाबकेफूलसेकोमलताई। शुचिगोलकपोल
अमोलकीदेखिनिकाई॥ रससानीबानीजेहिकाननसुनि
पाई। बिनदामगुलामभेवाकेहाथबिकाई॥ दोहा॥ अधर
सुघरकीछबिलखेबिम्बाजपालजाय। बदनरदनलखि
कोनतेहिकरबिनमोलबिकाय॥ चिबुकदेखमुनिभेखकरै
कहोंकोना। मनलैगई० ३ कहोंकैसेजैसेभुजगोरहैंतीके।
यूतभूषणदूषणराहितभावतेजीके॥ मदछाकेबांकेकुचस

मकंजकलीके। अभिरामललामहैंधामहैंमनोअमीके॥
दोहा॥ नाभिगँभीरनिहारिशुभलचकीलीहैलंक। चीता
चितचिंताकरतकेहरिरहतसशंक॥ लखिजंघलजैरंभा
खंभाद्युतिसोना। मनलैगई०४नूपुरकेशोरसुनिघोरचतु
रमेचेरे। शुभबरणचरणलखिशरणभयेबहुतेरे॥ नख
शिखअनूपलखिरूपभेकूरचितेरे। यहझांकीवाकीबांकी
बसीमनमेरे॥ दोहा॥ पटभूषणतनमेंसजेरमाउमासम
नाहिं। सुरबामाकामालजैअलीदखतूताहि॥गायादराम
परसादचैनसेसोना। मनलैगईके० ५ यकतिसमात्रा
आदिसवैयाकोपदठानो। मनोरमाधरिमध्यतीसरेबरवै
जानो॥ करौतीनिबिसरामतहाँक्रमभंगनआनो। सोई
छंददिगीशशेशकबिसम्मतमानो॥ नायकास्वकीयाम
ध्याजान। हैजिसेप्रबत्स्यतपतिकामान॥ भैरवीकीधुनि
कहीबखान। इसेसमुझैकोईगुणवान॥ हमारीउसीसे
यारीहै। नामजिसकागिरिधारीहै १ सावनमाससोहावन
लखिकरलगेबिदेशीघरआवन। फिरितुमबिदेशकोकहो
कैसेजातेहोमनभावन॥ टेक॥ कारीकारीघटादामिनी
छटादेखिदुखपावोगे। ऐसीबरषामेंजायकैप्यारेतुमपछि
तावोगे॥ बरसैगाजलघोरबरुसरबोरहुयेघबराओगे।
चितबिचारदेखोभारी बरषामेंकैसेजावोगे॥ तुम्हीं
अनोखेबिदेश जानेहारकरोघरमेंसावन। फिरितुम०१
जलसेमारगबीचमचैगीकीचनिशाअतिअँधियारी। स
बअपनेअपनेधाममेंसुखसोवैंगेनरनारी॥नदियानारगँ
भीरतीरसेदेखलगैगीभयभारी। तुमघरसेबाहरनाजावो
सुनोप्राणपतिहितकारी॥ जानेनहींदेनेकीतुम्हें मैंचलते

मेंधरिहौंदावन। फिरितुमबिदेश० २हमैंलागतीलाजप्रा
णपतिअतिहीतुमकासीखदिये । मगबरषाऋतुमें च
लैंनयोगीभीघरबासलिये ॥ तुमजानेकीकहोसुनेसेहो
तानाहिंहैधीरकिये । जानेकीचरचानाकीजैसुनिकैहो
तीपीरहिये ॥ दुखपावोगेपावसमेंताजिकरिकैअपना
घरपावन । फिरितुमबिदेश० ३ दादुरकरतेशोर
मोरचहुंओरतेशब्दसुनातेहैं । सबभूलैंभूलेपपीहा
पियापियारटलातेहैं ॥ हरीहरीभइभूमिबागबनहरेहरे
लहरातेहैं । ऐसेओसरमेंभलाकोईबिदेशकोजातेहैं ॥
दुबेरामपरसादछन्दमीठेसुरसेलागेगावन । फिरितुम
बिदेशकोकहोकैसेजातेहोमनभावन ४ ॥ रोलाछंद ॥
प्रथमचरणहरिगीतकलाअट्ठाइसकीजै । षोड़शपर
बिश्रामबहुरिबारहगनलीजै ॥ द्वितियादशअरुसात
सुन्दरीछन्दगनीजै । सोईमोहनछन्दकलाएतेलिखि
दीजे ॥ घोषाछंद डारिल ॥ नायकागणिकाप्रौढ़ालाव।
खंडिताबचनबिदग्धाभाव॥अपह्नुतअलंकारदरशाव।
छन्दइसमाफिककथकरगाव ॥ रामपरसाददुबेकाज्ञान।
इसेसमुझैकोईगुणवान ॥ छंदमोहन ॥ बिनगुनसोहत
मालललालतुमकहांबिताईरैन। जाहुवांजहांरँगायेनैन ॥
टेक ॥ सारीरातजगेहोजिस्सेनैनहोरहेलाल । तुम्हारे
जावकलागोभाल॥ अधरनअंजनलगातुम्हारेबिथुरेके
शाबिशाल ।चलतेकसहौमतवारीचाल॥ आलसभरेअं
गसबसोहैंशिथिलतुम्हारेबैन।जाहुवांजहां० १ नखोंकी
रेखालगीकपोलनपलकनलालीपान। हैभुजपरबेणीकी
लपटान॥ जाकेमनाओउसकोजिसकोराखातुमनेमान

तुम्हारीछूटीनायेबान ॥ जहांरहेसबरातउन्हींसँगकरो जायकेंसैन।जाहुङ्कां० २हमैंनहींभातीहैतुम्हरीहँसिहँसि करनाबात।नलागैंगीअबतुम्हारीघात॥आनेकहाफिर आयेनहींमैंजागीसाररिात।सोरहोजाकैनैनअलसात॥ इहांखरचहोताथावहांबिनदामोंकिन्हाचैन।जाहुङ्कां०३ लखिनायकदूजेकोतबैवहबालकहैसकुचाय।एकत्रिया अपनेपतिहिरिसाय॥ अपनेपतिसोंरारकरैनामैंनेकहा समुझाय।नारिवहसुनतैरहीलजाय॥ दुबेरामपरसाद कहैफिरआनाकहैदेसैन।जाहुङ्कांजहांरंगायेनैन ४॥ छंद प्रहलादका॥श्रुतिचारिजासुयशनेतिनेतिकरगावैं।महराज फारिखंभाजगतारनजी। प्रहलादभक्तकेहेतकीननर सिंहतनधारनजी॥ टेक ॥ हरणाकुशनेतबजायमहातप कीनामहराजएकपदभुजाउठायेजी। करिकैपवनअहार रहातपमेंमनलायेजी॥ सौवर्षबिताईइसीतरहतपकरते महराजतेजसेसुरअकुलायेजी। ब्रह्मासेकीबिनैसुरन तबविधिढिगआयेजी ॥ खागईदिमकसबमांसहाड़रहे बाकी महराजप्राणब्रह्मएडसमायेजी। छिनिकिक मण्डलुतेजलब्रह्मैताहिजगायेजी॥ झेला ॥ होगईनीरपर तेकंचनसमकाया।ब्रह्माकोसामनेदेखिबहुतहरषाया॥ बरमांगुपुत्रब्रह्मानेबचनसुनाया। हरणाकुशकहैबरदेहु मोहिंकरिदाया ॥ शेर ॥ बाहरनहींभीतरनहींनामैंमरौं दिनरातमें।धरतीमेंनाआकाशमेंआयुधकेनाकोइघात में॥ जोरचेतुमनेजीवहैंउनकीनकोईजातमें।होमरनमेरा नहींमहराजइतनीबातमें ॥ चौपाई ॥ एवमस्तुकहिबिधि पुरआयो। हरणाकुशमनअतिसुखपायो ॥ लैलैसैन

चहूंदिशिधायो । अपनेबशसबलोकबसायो ॥ दोहा ॥
सुरपुरनरपुरनागपुरजीतसुरनसेलीन । रहानकोऊवीर
वरराजअकण्टककीन॥कपितनुधारेबनमेंछिपेसबजाके।
महराजछोड़पुरबसेपहारनजी॥ प्रहलादभक्तकेहेतु० १
कछुदिनमेंजन्मप्रहलादभगतनेलीन्हा महराजभूपसु-
निकैहरषानेजी । घरघरहुईअनंदबाजतेनौबतखाने
जी ॥ जबपांचबरषकोभयोपुत्रनृपजानेमहराजबोला
द्विजकोसनमानेजी । बहुतकहासमुझायकुवँरकोखूब
पढ़ानेजी ॥ प्रहलादकोजिसदिनभूपपढ़नकोसौंपा ।
महराजकुवँरघरकोलगेआनेजी ॥ यककुम्हारकाधाम
कुवँरढ़िगयेभुलानेजी ॥ झेला ॥ कररहीशोचबैठीकुम्हार
कीघरनी । प्रहलादनेपूँछीकथासकलतेबरनी ॥ यक
जनीथीबिल्लीमटकामेंयकबरनी । आवांमेंलगासोपात्र
कठिनभैकरनी ॥ शेर ॥पतिकहैउसकात्रियातूशोचइतना
क्योंकरै । रखआराजिसकारामहैआवांमेंवहकैसेजरै ॥
प्रहलादउससेयोंकहैंआवांयेजबठण्ढापरै । खोलनामेरे
अगारीकहिचलेअपनेघरै ॥ चौपाई ॥ रातकुवँरकीआंख
नलागी । प्रातदीखभैशीतलआगी ॥ पात्रभयोनाहिं
धूमसेदागी । निकरिबिलारिसुतनयुतभागी ॥ दोहा ॥
प्रभुतांनिरखीरामकीआवांमेंप्रहलाद । प्रथमसीखना
रददईगर्भमेंसोभैयाद ॥ प्रहलादकेमनमेंरामनामरट
लागी । महराजलगेहरिनामउचारनजी॥ प्रहलाद० २
प्रहलादप्रातगेविप्रधामपढ़नेको महराजबिप्रकुलरीति
पढ़ाईजी॥रामनामसोंभरिपाटीप्रहलाददेखाईजी ॥ समु
झायथकाद्विजजायकहीराजासे । महराजगुसाराजाको

आईजी॥गोदीमेंबैठारिकहासबबिधिसमुझाईजी। तुम
जिनकामुखसेनामपुत्रहैलीन्हा॥हिरण्याक्षबलीममबन्धु
बधनउनकीन्हा ॥सुरहेतलागितेताकोबहुदुखदीन्हा।
येहमरेकुलकेशत्रुनतुमनेचीन्हा॥ शेर ॥ सबसुनोजोना
मरिपुकायेजबांपरलायेंगे । दोषहमकोहैनहींअपनाकि
याफलपायेंगे ॥ हँसकहाप्रहलादहमतोराममुखसेगायें
गे।जीचहैजायैपेहमारारामतोनहिंजायेंगे॥ चौपाई ॥ ह
रणाकुशसेवकनबोलाकै। कहैकरोबधदुष्टकोजाकै ॥ थ
केदैत्यसबअस्त्रचलाकै। डारतशिखरकुवँरपरलाकै॥
दोहा ॥ हरणाकुशलज्जितभयोमरैनहींप्रहलाद । अब
भजिहौजोशत्रुकोदेहौंदण्डइजाद ॥ फिरकहाबिप्रसेस
मुझाइसेपढ़ावो।महराजनहींहमनिजकरमारनजी॥प्रह
लादभगत०३ प्रहलादआयेद्विजसाथपाठशालामें।म
हराजगयेद्विजनिजगृहमाहींजी। समैजानप्रहलादकह
तसबलड़कनपाहींजी ॥तुमरामनामकोभजौसीखसुन
मेरी। महराजरामसमदूसरनाहींजी ॥ नितनेतिनेतिक
हैंवेदजासुगुणजानिनजाहींजी॥तुमतामसमतकोतजौभ
जौउनप्रभुको ॥ महराजऔरउपजैऔनशाहींजी ।मि
थ्याहैसंसारजैसेसपनेकीछाहींजी। झेला ॥ जिनकीमाया
मेंसबसुरअसुरनचेहैं । लखुजलमेंथलमेंसोईरामर
चेहैं ॥ मोहिंमारिमारिकैसबखलहारिलचेहैं। प्रभुकीम
हिमासेमेरेप्राणबचेहैं॥ शेर ॥ प्रहलादकोउपदेशसुन्दर
जबवहबालकपावते।छोड़कैभेभूपद्विजकीराममुखसेगा
वते॥विप्रसुनआतुरचलातबभूपकेढिगधावते।प्रहला
दनेबालकबिगारेरामकोसबध्यावते ॥ चौपाई ॥ कोपि

कहाहरणाकुशतबहीं। फूँकदेवपावकमेंअबहीं॥ लैवहु
काठजलायेजबहीं। डारिदीनप्रहलादैसबहीं॥ दोहा॥
पावकमेंजबनाजरेलीहोलिकाबुलाय। लैबैठीसोगोद
मेंदीन्हींआगलगाय॥ होलिकाखाकहोगईकुवँरकांखे
लै। महराजलागपर्वतसेडारनजी॥ प्रहलादभगतके०
४ प्रहलादगिरापर्वतसेचोटनआई। महराजकोप्योहर
णाकुशभारीजी॥ बतारामहैकहांरटैजिसकाहरबारीजी।
खम्भामेंबांधकैकहेप्राणलेउँतेरे॥ महराजकोपितलवार
निकारीजी। कहैरामकोबोलादेतखललाखनगारीजी॥
प्रहलादकहैहैहैखड्गखम्भसबजगमें। महराजवोहैसर्व
त्रबिहारीजी॥ ब्यापकहैसबजगतबिषेप्रभुजनहितका
रीजी॥ झेला॥ अपनेजनकोजबप्रभुनेदुखीनिहारा। नर
सिंहरूपहोप्रकटेखम्भाफारा॥ देहरीपैबैठिधरिजांघपेउ
दरबिदारा। संध्याकेसमयनादिवसनहींअँधियारा॥ शेर॥
इन्द्रकेजोबज्रलागेसेनहींमारागया। कालआयेसे न
खोंसेपेटसोफारागया॥ देवहरषेसुमनबरषेआजदुखसा
रागया। इन्द्रनिजपुरमेंबसेअरुछत्रशिरधारागया॥
चौपाई॥ कहैप्रहलाददोऊकरजोरे। गुरुपितुमातुबन्धुतुम
मोरे॥ देहुभक्तिबरकहौंनिहोरे। ममउरबसहिंकमलपद
तोरे॥ दोहा॥ तिलककाढ़िनिजहाथसोंप्रभुभेअन्तर्द्धान।
अद्भुततनधारणकियोभक्तहेतभगवान॥ कहैदुबेरामप
रसादवेदजेहिगावत। महराजप्रकटभेसोजनकारणजी॥
प्रहलादभगतकेहेतकीननरसिंहतनधारणजी ५॥ छन्द
महादेवकेबिवाहका॥ कैलाशसोहावनपावनअतिसुखरासी।
तहँराजैंसतीसमेतश्रीकैलासी॥ टेक॥ बैठेशिवकहिकहि

कथासतीसमुझावत। तिहिअवसरदीखबिमानगगनम
गआवत॥ सुरनारिसुन्दरीकोकिलबैनीगावत। पूँछतीस
तीतबकहिसबभेदबतावत॥ पितुधामयज्ञसुनिसतीबहु
तसुखपावत। करजोरिबिनयकरिचरणनशीशनवावत॥
आज्ञादीजैपितुयज्ञलखेंयहदासी। तहँराजैंसतीसमेत
श्रीकैलासी १ शिवकहेंसतीसेजैहौबिनाबोलाये। अप
मानहोवैकालाभबहुरिपछिताये॥ गुरुपितुअरुमीतघर
जाईसहजसुभाये। जहँहोबिरोधदुखहोततहांकिजाये॥
बहुभांतिसतीकोशिवजीनेसमुझाये। नामानीसतीतब
दुइगणसाथपठाये॥ लखिमातुमिलीसबभगिनीकरतीं
हांसी। तहँराजैं० २ लखिसतीक्रोधकीआगिदक्षउरजा
गी। तबसतीबिलोकनयज्ञधामसबलागी॥ नादीखशंभु
कोभागक्रोधअतिपागी। कहैसतीपितातूहैमतिमन्द
अभागी॥ तवशुक्रसेउपजीदेहअबैदेउँत्यागी। जरौं
यज्ञकुण्डमेंआजसबैअनुरागी॥ जरतेहीसतीकेगणों
नेयज्ञबिधांसी। तहँराजैं० ३ शिवपटकिजटातबबीर
भद्रतनधारा। तिनमारिदक्षकोअग्निकुण्डशिरडारा॥
अभिमानीदक्षकोशिवजीनेमदगारा। सुनिबिनैसुरनकी
अजशिरशीशसवांरा॥ धरिशम्भुचरणमेंध्यानसतीतन
जारा॥ भइप्रकटहिमाचलगेहमहादुखटारा॥ मैनाऔहि
माचलसहितमगनगिरिबासी। तहँराजैं० ४ गिरिराजधा
ममेंजबसेसतीजीआईं। ऋधिसिधिसम्पतिसबहिमगि
रिगेहसिधाईं॥ नारदमुनिकेढिगमैनासुतालैआईं। गुण
दोषसुताकेकहियेप्रगटगोसाईं॥ मिलैजटिलअमङ्गल
कन्तइसेबरियाई। इसमेंनासंशयतनककहौंसातिगाई॥

तपकरैंतोयेगुणसहितशम्भुअविनासी। तहँराजैं० ५
अम्बिकाउमाकहिनारदनामसिधाये। तबउमालगीतप
करनकठिनमनलाये॥ तपदेखिअमरगणयुतबिधिशिव
ढिगआये। करजोरिसुरनयुतबिनतीशिवहिसुनाये॥
अबनाथउमाकोबरोदेवदुखपाये। तबसप्तऋषिनको
हिमागिरिगेहपठाये॥ लैजावउमाकोधामनकरोउदा
सी। तहँराजैं० ६ सँगभूतप्रेतऔसाथपिशाचबराती।
मुण्डमालकपालऔछारब्यालबहुभांती॥ डमरूत्रिशू
लकरनगनअनंगअराती। चढ़िबैलचलेलखिसुरसमा
जमुसक्याती॥ मैनापरछनकेतईनिकटजबआती।
लखिबिकटभेषभयखायभवनमेंजाती॥ नहिंबरोंसुता
लैजरौंमरौंदैफांसी।तहँराजैं० ७ कहैंपारबतीनाशोचमा
तुउरकीजै। बौरहालिखाबरभालदोषकेहिदीजै॥ तजि
कोहमोहअबशोचकलकनाकीजै। क्षणभंगअंगआखि
रसएकदिनछीजै॥ शंकरहिसुतादीसौंपबिदादिनती
जै। सबयाचकजनसंतोषेबिप्रगुनीजै॥ शिवशिवाबसे
कैलासभेउभैबिलासी। तहँराजैं० ८ भेषटमुखसुतजि
नत्रत्रासुरकोमारयो। यहुछन्दबदनभैनहींबहुतबिस्ता
रयो॥ यहिबिधिजगमेंतनपारबतीजीधारयो। सुरनरमु
निगन्धबजैजैशब्दउचारयो॥ यहुदुबेरामपरसादछन्द
लेलकारयो। करुणानिधानदुखकीजैदूरहमारयो॥ दुख
भंजनकीजैनहींहोयगीहांसी। तहँराजैं०९ कचहारभार
यौवनकेलंकलचकाती। यकनागरिगागरिलियेचली
बलखाती॥ टेक॥ शुभकेशवेशजनुकालीघटाछविछाई।
बिचभालमांगमेंमनकोलेतलगाई॥शुभभालविशालमें

बेंदीअधिकसोहाई। बिचवन्दनज्योंदधिनन्दनभौमअ
थाई॥ दोहा॥ अनियारेप्यारेनयनरतनारेसितश्याम।
बंकचितैमनलैगईकितैगईवहबाम॥ ताटंकबंकभृकुटी
छबिकहीनजाती। यकनागरि० १हैंगोलकपोलअमोल
प्रभासरसावै। नासासुढारनथमारफँदालहरावै॥ लखि
अधरसुघरबिम्बाबन्धूकलजावै। शुभहसनदसनसम
मोतीपांतिनपावै॥ दोहा॥ रससानीबानीसकलगुणखा
नीशुभभाय। चम्पकलीदुलरीभलीचलीझलकउतरा
य॥ मनहरनस्वरनआभरनचुरीझनकाती। यकनाग
रिगागरि० २उन्नतउरोजजनुकलीसरोजअनीहै। अति
लसीकसीकंचुकीकिचारितनीहै॥ सोहतबिशालउरमा
लमेंजड़ीमनीहै। त्रिभुवनछबिपेटलपेटसमेटबनीहै॥
दोहा॥ नाभिनितम्बअनूपअतिनिजकररचेकरतार।
शुभजंघारम्भामनोपिंडुलीसुभगसुढार॥ पगनूपुरके
स्वरमुनिनकेधीरछोड़ाती। यकनागरिगागरिलिये० ३
एंड़ीहैंभलीवहअलीकिझलकैलाली। अनवटबिछुआ
बशकियाहैजादूडाली॥ चहुंफेरघेरघांघराकिझलकनि
राली। यकचटकमटकचूनरीचालमतवाली॥ दोहा॥
नखशिखअतिशोभाघनीबनीठनीवहबाम। ताहिदेखि
असकौनजगभौनजौनबशकाम॥ करैदुबेरामपरसाद
याददिनराती। यकनागरि० ४एकसमयब्रजबनिताआ
ईयमुनामेंअसनानकरन। कुंजबिहारी अचानकआके
कीन्हेंचीरहरन॥ टेक॥ लगींकेलिकरनेयमुनामेंमुदितस
कलब्रजकीबामा। सबसुकुमारीकुमारीगुणागरीसबछबि
धामा॥ तारागणमधिचन्द्रलसतज्योंयोंसोहतसबमेंश्या

मा। लखिजेहिलाजैसुकेशीतिलोत्तमारंभाकामा॥ दोड़॥
मज्जनकरिगईकिनारे। नहिंतटपरबस्त्रनिहारे॥ सबशो
चकरैंमनमारे। कुछबातनबनतबिचारे॥ दोहा॥ इतउत
चितवतचकितचितबिकलसकलब्रजबाल। चितैंदीख
तबवृक्षपरदृष्टिपरेनँदलाल॥ सोहतसघनकदमकेऊपर
पटयुतमोहनश्यामबरन। कुंजबिहारी० १ देखौसखी
कदमकेऊपरहँसिकहतीयकगोरीहै। देखाचोरमैंवोजि
सनेकरीहमारीचोरीहै॥ सुनआलीकेबैनबिहँसिचित
ईवृषभानकिशोरीहै। कहैसखिनसेगईनहरिकीअबै
छिछोरीहै॥ दोड़॥ कोऊकहैसुनौगिरिधारी। येभली
नवाततुम्हारी॥ हमहैंजलमांझउघारी। दैंदीजैचीर
मुरारी॥ दोहा॥ ऐसीतुम्हैंनचाहियेनेकसुनोब्रजराज।
बस्तरकीचोरीकरीतुम्हैंनआईलाज। चीरहमारेदीजै
श्यामहमअपनेअपनेजायँघरन॥ कुंजबिहारी० २ कहैं
श्यामब्रजबामसुनोजबजलकेबाहरआवोगी। तबतुम
हमसेचीरआपनेअपनेसबपावोगी॥ बिनजलकेबाहर
निकलेतुमलाखोंबिनयसुनावोगी। मैंचीरनदेहौंसखी
तुमसबपाछेपछितावोगी॥ दोड़॥ जबतकरहिहौजल
माहीं। पावनकीचीरतुमनाहीं॥ कहिकहिकैश्याममुस
क्याहीं। सबबिनयकरैंहरिपाहीं॥ दोहा॥ जबतकतुम
तजिहौनहींअपनेउरतेलाज। सुनोसकलतुमकानदै
तुम्हरोहोयअकाज॥ मानौहमारीबात जोतुमआया
चहतीहौमेरीशरन। कुंजबिहारी० ३ करसेआपन
अंगदुराये कहैंसखीतरुतरआके। चीरहमारोदीजि
येकहैं सखीसबशिरनाके॥ सुनिकैबचनकहैंमनमो

हनमधुरबचनअतिमुसक्याके । करजोरकैकीजै भा
नुकोनमस्कारसबमनलाके ॥ दौड़ ॥ करजोरिकैअंग
देखाये। मनमोहनमनहरषाये ॥ बस्तरदैचित्तचोराये।
सखियोंकोश्यामअपनाये॥ दोहा ॥ शेशसुरेशमहेशयुत
ज्यहिध्यावतदिनरात। सोप्रभुहरषतनिरखिकैव्रजबनि
तनकोगात ॥ दुबेरामपरसादमन्दमतिकिमिताकोयश
सकैबरन। कुंजबिहारी० ४ ॥ नायकाखंडिता ॥ सूधन
परतधरतपगलपटतकहोकहांसेआतेहो । हेव्रजचन्द
अनन्दकन्दकसआजबहुतअलसातेहो ॥ टेक ॥ भौंहैंत
नीबनीअतिशोभा नैनरंगायेरातेहो । अधरबिशा
लयेलालश्यामरँगकैसेश्यामरँगातेहो ॥ गोलकपोलअ
मोलदागकैसेयेकहोखँचातेहो । कसचन्दनत्याग्योनँद
नन्दनहमसेनहींबतातेहो ॥ सांचकहोहमसेकबसेयहु
बन्दनभाललगातेहो। हेव्रजचन्द० १ कोसौदागरगुण
आगरनटनागरजेहिढिगजातेहो । अतिहिबिशालमा
लबिनगुणकीजहांबिहारीपातेहो ॥ हाथसेलालीबनमा
लीक्याजावकआपबनातेहो॥ मौनगहोनाकहोभेदहमसे
कसलालछपातेहो ॥ रंगतमेंचटपटीपागलटपटीयेकहां
बँधातेहो। हेव्रजचन्द० २कारणकौनमौनखींचेतुमठाढ़े
पांवथकातेहो। आजकीनकछुकाजरातआलसबशमुख
जमुहातेहो॥ आवनकहीसहीसोआयेनाहकमनसकुचा
तेहो। हौसांचेजांचेमैंआजहीभूठनबातबनातेहो॥और
धामहोकामतोकसनाकरिकैशोचमिटातेहो।हेव्रजचंद०
३मोपरहोअनुकूलभूलतुमअंतनचित्तडोलातेहो।मोहिं
चितादियेहियेअपनेतुमऔरात्रियानालातेहो॥ मेरोभाग

सोहागबड़ोजोअद्भुतछबीदेखातेहो। कहेंरामपरसादयादमेरीकरिकिरियशगातेहो।बैठहुलालकृपालकौनकारणशिरनहींउठातेहो। हेब्रजचन्दअनन्दकन्दकसआजबहुतअलसातेहो ४ काहेकागईकाहकरिआईजाहेकोतूनेपठाईहै। खरीदगाबाजननिकरीतूकौनदगालखिपाईहै॥ टेक॥ गोरोगातपरोकसपीरोमोहनमोहिंबकाईहै।घटीझलकटीकाकसखसकोमोहनपांवपराईहै॥ बंदनलालभालक्योंफैलोप्रस्वेदसोंबहिआईहै। नागनसीबेनीकसछूटीनिजकरसोंखजुवाईहै॥ झलकतपीककपोलपानमुखपोंछनमेंबढ़िआईहै॥ खरीदगाबाजन ०१ छकीप्रेमरसकीतूकैसीतेरीबातबनाईहै। जकी२सीक्योंबोलैतूतेरेमनदुचिताईहै॥ लेतउसासकौनकारणनेकीसेबदीमैंपाईहै। पूसप्रस्वेदकौनकारणमारगश्रमकीगरमाईहै॥ ठीकठीकक्योंनहींकहैकछुयामेंनहींझुठाईहै। खरी० २ डीठनजोरतमोसेतूनाहककलंकभयखाईहै। चपलपनोकहँगयोआजनिशिसोंजीमेंअलसाईहै॥ कहतनलाजदेखुमुखउतरोतूबेकाजरिसाईहै। थरथरातक्योंगातशीतबिनभेतूभौंहचढ़ाईहै॥ देरकरीयतनीकहँतूनेहरिकोबहुतमनाईहै। खरी० ३ धकधकातक्योंहियोदेरभैनाहकदहशतछाईहै। पीताम्बरक्योंओढ़गईजानोनहिंबातबनाईहै॥ फटीकंचुकीकोकारणकहुवृक्षनमेंउरझाईहै। बाणीशिथिलनबोलतचटकेप्यासासोंद्युतिकुम्हिलाईहै॥भामिनिकहांचतुरतासीखीतूढिगकीचतुराईहै। खरी० ४॥सखी॥जयगणपतिमहराजजयतिशारदाभवानी।दीजैमुझकोज्ञानकृपाकरसुन्दरबानी॥ ध्यावतसुरमु

नितुम्हैंसदाशंकरसेध्यानी। करोहियेमेंबासकहूँजोरेयुग पानी ॥ कहेनारायणजोइकबार । तोउसकेपापपुंजहों छार ॥ होयक्षणमेंभवसागरपार । कहैंश्रुतिअसओस न्तपुकार ॥ भजैशठक्योंनहींमुखसेराम । वृथाक्योंखो वतहैसबयाम ॥ वोभवबन्धनसेछूटबचायममेंसे । कहूं कथाअजामिलतराहैपापीजैसे ॥ टेक ॥ थाबिप्रश्रेष्ठक न्नौजनगरकाबासी। घरमेंथीउसकेएकभीलनीदासी॥ नितखेलैजुआंमदपीकेदर्दसबनासी। इसतरहसेउसको बीतेबर्षअठासी ॥ दोहा ॥ चोरीबटपारीकरै निशिदिन येहीकाम । भयेपुत्रदशएकको धरानरायणनाम ॥ धो खेमेंकालकीघड़ीनिकटभैऐसे। कहूं० १ यमदूततीनलि येमुद्गरफांसीआये। गरडारिकैफांसीअपनेरूपदिखा ये ॥ जबअजामीलकेबहुतप्राणघबराये। करनारायण नारायणशब्दसुनाये ॥ दोहा ॥ रहावोपापीपुत्रको अ तिआरतसेटेर । सुनतविष्णुकेगणतहां आयेलगीन देर॥ भयेअजामीलकेसुन्दरभागउदैसे । कहूं० २ कहैंदूतगरेइस्केक्योंफांसीडारी । चीन्हतेनहींहौ तुमहो बड़ेअनारी ॥ तुमनेनपापऔधर्मकीराहबिचारी । इसेछोड़ोअभीतुममानोबातहमारी ॥ दोहा ॥ कोनपाप जगमेंकरैहोतनदण्डकेयोग । कोनयोगबैकुण्ठकेजान तनातुमलोग ॥ऐसेहीकामतुमकरतेसदाअनैसे। कहूं०३ यमदूतकहैंजिनवेदबचननामाने । ममताबशजेकरते अपकाराबिराने ॥ जिनदानधर्मनाकीन्हकुमारगठाने । पापीसोनरककेयोगहैंयेहमजाने ॥ दोहा ॥ सोईसबइसने करेपातकगिनेनजांय । तेहिपापीकोममकरतुमनेलियो

छुड़ाय॥ बिनकर्मधर्मकियेदूरपापभयेकैसे। कहूं० ४ हरि
गणकहतेनहिंजानाभेदतुम्हारा। इसनेमुखसेनारायण
नामपुकारा॥ बहुदानयज्ञरेदायकनामहमारा। भव
पारहोययहकृष्णनेबचनउचारा॥ दोहा॥ जानअजानमें
कैसहूतृणपावकपरिजाय। तृणअरुतूलपहाड़समक्षणमें
देतजलाय॥ हरिनामनाशकरपापपुंजकोतैसे। कहूं० ५
यमदूतोंसेलियाछीनजबरईकरके। यमदूतभागगये
निजप्रभुकेढिगडरके॥ लेचलेअजामिलकोबिमानपै
धरके। बैकुण्ठलेगयेबहुतबड़ाईकरके॥ दोहा॥ जायक
हाधर्मराजसेपापअजामिलकीन्ह। हमबांधातेहिबिष्णु
केछीनगणोंनेलीन्ह॥बैकुण्ठलेगयेजयजयधुनकरलैसे।
कहूं० ६ तबधर्मराजनेदूतोंकोसमुझाया। हरिनाम
कोतुमनेअजहुँभेदनापाया॥ उसपापीकेमुखसेनारायण
पदआया। प्रभुनामनेउसकापातकपुंजनशाया॥दोहा॥
दुबेरामपरसादकहेंजोकोइजानअजान। अंतसमयहरि
नामलेपापहोयसबहान॥ भजरामनामनितकौड़ीलगै
नपैसे। कहूं० ७ लियेछड़ीहाथमेंखड़ीयशोदामाई। ध
मकायरहीकहलालक्योंमाटीखाई॥ टेक॥ मैंथकीहूं
वर्जतमानतनहींहमारी। तूखातहैमाटीरिसलागतमो
हिंभारी॥ खारकबदामपिस्ताऔमिसरीन्यारी। लड्डूऔ
जलेबीताजीअभीनिकारी॥ धरेमालपुआखाजावोफे
नीसोहारी॥सोछुअतनहींतोहिंलागतमाटीप्यारी॥दोहा॥
दूधदहीचाखतनहींबावरलगतननीक॥धरेगुलगुलाकंद
केतिन्हेंकहतहैफीक॥नाखातहैमिसरीमाखनऔरमला
ई। धमकाय० १ जिसघड़ीयशोदाजीबोलींझुंझला

के। हरिलगेसिसकनेनैननीरबहाके॥ मैंकबमाटीखाई कहशीशभुकाके । कहमातबहानेकरैतूमाटीखाके ॥ दिखलादेलालमुँहकहतीछड़ीउठाके । सुनतेहीबचन दिखलायदियामुँहबाके ॥ दोहा ॥ यशुदाजीकेचित्तमें संशयभयोअलेख । खड़ीचित्रसीरहगईमोहनकामुँह देख॥ मतिथकितभईकुछमुँहसेकहीनजाई। धमकाय० २ लखिअतलबितलसोंऔरतलातलबासी। पाताल महातलकेसबदीखनिवासी ॥ बृजमण्डलद्वारावतीअ योध्याकासी। सुरसरिसरितासबऋषीसहस्रअठासी॥ भूलोकऔरसुरमहालोककैलासी । जनलोकऔरतप लोकसत्यसुखरासी॥ दोहा ॥ ब्रह्मादिकगंधर्बसबयमकुबे रदिगपाल । रबिशशितारागणसकलनिरखतहुईबिहा ल॥ जननीकोदिखाईमुखमेंनिजप्रभुताई।धमकाय०३ प्रभुनेजबजानाजननीअतिअकुलानी । मुखबन्दकिया फिरबोलेमधुरीबानी॥मैंबहुतकहीतूमेरीकहीनमानी।मेरे मुँहमेंतोहिंमाटीकहांदिखानी॥ सुनबचनश्यामकेयशुदा जीमुसक्यानी। लखिकौतुकसुरकहेंधन्यधन्यनँदरानी॥ दोहा ॥ शेशसुरेशमहेशजेहिजपतनपावतभेद । तेहिय शुदाधमकावतीजाहिनजानतवेद॥ कहैदुबेरामपरसाद तासुगुणगाई। धमकाय०४ यमुनामेंमज्जनकरतनिरख ब्रजनारी। लैगयोअचानकउठाचीरगिरिधारी ॥ टेक॥ यमुनामेंकरतकलोलसकलब्रजगोरी। मृगशावकनयनी नारिउमरमेंथोरी॥ छबिधामचन्द्रबदनीवृषभानकिशो री। रतितिलोत्तमारंभाकीउपमाथोरी ॥ दोहा ॥ मज्ज नकरितटमेंगईदीखनभूषणचीर। कहतअलीसबलैग

योछलीश्यामबेपीर ॥ सबधायधसींयमुनामेंचिन्ताभा
री। लैगयो० १ कहिकहिकैकृष्णसबजलमेंलगींपुका
रन। सबचकितचित्तइतउतकोलगींनिहारन ॥ यकस
खीनेदेखेकदमपैहरिजगतारन। बंशीकरमेंपटपीतक्रीट
कियेधारन ॥ दोहा ॥ देखोसजनीकदमपर हँसिबोलीय
कबाम। वस्त्रअभूषणकरलिये छिपेबइठहैंश्याम ॥ कहैं
सखीनमोहनचोरीगईतुम्हारी। लैगयो० २ हमहा
हाकरैंसुनोमोहननन्ददुलारे। नाहँसीकरहुपटभूषणदे
हुहमारे ॥ यहभलीबातनहिंहैहमकहतिपुकारे। यशुदा
सेहालसबकहिबेजायतुम्हारे ॥ दोहा ॥ हमैंसोहातनया
हँसी मानोजीबलबीर। हमसबजलमेंहैंनगन देहुहमा
रेचीर ॥ अबतोयहमोहनछोड़ोचालगँवारी। लैग
यो०३ कहैंकृष्णचन्द्रकैसेमैयाढिगजैहो। पहिरनकोअ
भूषणवस्त्रकहांसेपैहो ॥ जबतकतुमजलकेबाहरसब
नाऐहो। तुमलाखकहोपटभूषणएकनपैहो ॥ दोहा ॥
तुममानोमेरीकही कसजीसेसकुचाव। सबमिलिआवो
कदमतर पटभूषणलैजाव ॥ पटलीनचहोतोमानोबात
हमारी। लैगयो०४॥ छन्दमनोरमा ॥ जेहिकरतेशेशगणेश
सकलसुखबंदन। जनहेतसोकृपानिकेतभेदेवकिनन्दन॥
टेक ॥ भादोंनिहारबुधबाररोहिणीआई। आठैंनिशिदश
दिशिघोरअँधेरीछाई ॥ छबिधामश्यामतनकोटिमनोज
निकाई। लखिअधरसुधरबिम्बाबन्धूकलजाई॥घुँघुआ
रेकारेकेशकीटद्युतिभाई। अतिलोलकपोलयेकुण्डल
झलकसोहाई॥ दोहा ॥ दृगसरोजभुजचारिहैंभूषणआ
युधचारि। चरणकमलपटपीतद्युति देहुतड़ितद्युतिवा

रि॥ शुभभालबिशालमेंमृगमदकुंकुमचन्दन। जनहेत
सो० १ प्रतिअंगअंगपरकोटिमनोजहैंवारे। लखि
नैनबैनबसुदेवनेहरषिउचारे॥ तुमआदिअनादियुगा
दिहौंवेदपुकारे। जनकाजश्रीमहराजआपतनधारे॥
ब्रह्मादिकशेशगणेशविनयकरिहारे। गुणगावतवेदन
पावतभेदतुम्हारे॥ दोहा॥ करिबिनतीबसुदेवजी निज
दुखकह्यासुनाय। तजोशोकअबकंसकोप्रभुबोलेमुस
क्याय॥ दुखहरिहौंकरिहौंबधखलगणमतिमन्दन।
जनहेतसो० २ तुम्हैंनहींचेतममहेतकीनतपभारी।
बसिबनैतनैममसरिसमांगेसुखकारी॥ बरदीनकीनमैं
पूरणबातजोहारी। दुखहरितचरितकरिपुरवहुंआशतु
म्हारी॥ करोंनन्दभवनकोगवनसकलभयटारी। मोहिं
धरिहरिलावहुउनघरभईकुमारी॥ दोहा॥ नन्दयशोदा
तपकियो ममशिशुलीलाहेत। सोकरिरिपुहतिफिरि
मिलौं तुमकोबन्धुसमेत॥ सुखभरिदेहकरिदूरिसकल
दुखद्वंदन। जनहेतसो० ३ कहेंबैननैनजलभरिदेव
कीसोहावन। यहुरूपअनूपकोदूरिकरहुजगपावन॥
सुखदीनकीनतनाशिशुत्रयतापनशावन। बसुदेवलोभा
यभुलायलगेउरलावन॥ लागेअधीरहोनैननीरबहा
वन। कहुबामललामयाहिसुवनकोकह्यांछिपावन॥दोहा॥
कहतदेवकीनन्दघर सुतलैजावहुनाथ। सुनतबचनल
खपटखुले लीनसूपयुतहाथ॥ चढुरामप्रसादविबाद
छोड़िजयस्यन्दन। जनहेतसो० ४ मुनिनारदशारद
शिवविरंचिजेहिगाते। सोदेवलियेबसुदेवगोकुलैजाते॥
टेक॥ सुखधामश्यामकोलैबसुदेवकढ़्योहै। शुचिहाट

बाटलौंशेशकोअंगबढ़्योहै ॥ भीजैनईशअहिशीशको
छत्रमढ़्योहै। करिजोरशोरकालिन्द्रीनीरबढ़्योहै ॥दोहा॥
चरणधरोवसुदेवने उमड़ोयमुनानीर। बाढ़िभयोजल
कण्ठलौंछूटनलागोधीर॥ घटिगयोनीरयदुबीरकेचरण
छुआते। सोदेव० १ यमुनामैंभायहरषायनन्दघर
आये। भेअतिअनन्दजबनन्दकोसोवतपाये॥ यशुदा
केकन्याभईलईहरषाये। सुखधामश्यामकोधरिवसुदेव
सिधाये॥ दोहा॥ इतजियशोचैंदेवकी यमुनाधारकरा
ल। व्यालबाघअरुकंसभय रोरोभईबिहाल॥ दुखदू
रिभूरिभाकंतकेदरशनपाते। सोदेव० २ कन्याको
गोददैमोदकहनसोलागे। भेबन्दकपाटचपाटनींदखल
जागे॥ सुतभयोजानभयमानकंसढिगभागे। अकुला
तगातगाकंसदेवकीलागे॥ दोहा॥ सातपुत्रतुमनेबधे
बालकपुनिबिनखोरि। यहकन्यामोहिंदीजिये विनय
मानिकैमोरि॥ सोलीनछीनउड़िगैनभचरणघुमाते।
सोदेव० ३ होमगनगगनमेंप्रगटारूपभवानी। नग
जड़ितकीटद्युतितड़ितशूलअसिपानी॥ जैमालबिशा
लहैकुण्डलबोलीबानी। तवबधनहारअवतारभयोअ
भिमानी॥ दोहा॥ सुनतबचनब्याकुलभयो गयोदेवकी
पास। हाथजोरिबिनतीकरीकीन्हींबन्दिखलास॥ कहैं
दुबेमौनह्वैगयोभौनपछिताते। सोदेव० ४ जबभगी
नींदमायाकीजगीनँदरानी। युतमोदगोदलैसुतमुखल
खिहरषानी॥ टेक॥ बोलवायनन्दघरआयाहियेहरषाने।
सुतमुखलखिसुखभालागेरतनलुटाने॥ गजगामिनि
भामिनिलागींमंगलगाने। हरषायगायसुरलागफूलब

रषाने ॥ दोहा ॥ हेमथारदधिदूबनिशिअक्षतदीपकबा
रि। करिआरतिनाचैंमगनतनमनप्रभुपरवारि ॥ मुरच
ङ्गमृदङ्गबजायगावैंपिकबानी। युत०१ सबहाटबाटघर
दधिकीकीचमचाई। अतिचोपगोपगणघरघरबजतब
धाई॥मणिबसनहेमबरअसनऔविविधमिठाई। ब्रजभू
मचूमसुरबृजकीकरतबड़ाई॥दोहा॥ छठयेंदिनकीन्हींछठी
आनँदकहोनजाय। बरहेंदिनबरहोंभयोसुन्दरगणिक
बोलाय ॥ सनमानदानदैबिनैकरीमृदुबानी । युतमोद
गोद० २ लखिकालबिशालमहेशनन्दघरआये। योगी
कोभेखसबदेखहियेहरषाये ॥ गरब्यालकपालकिमाल
औराखलगाये । जयब्रह्मअनादकैशृंगीनादबजाये ॥
दोहा॥ हेमरतनलेवैंनहींदेतयशोदाभीख। माईतेरेलाल
कोनैननचाहोंदीख ॥ करिदरशनपरशनहोंगेऔघड़
दानी । युतमोदगोद०३ जाकोगुणशेशगणेशबेदयुत
गावैं। मुनिज्ञानीध्यानीकबौंध्याननापावैं ॥ चौतनिया
कनियांलैझँगियापहिरावैं। जगपावनकोलैपालनबीच
झुलावैं॥दोहा॥ धनिभागीबृजगोपिगणधनिगोपीधनि
नन्द । धनियशुदाधनिरोहिणीजोमुखचूमतिचन्द ॥
करोयादरामपरसादकीजनसुखदानी।युतमोदगोद०४
समुझायबुझायकैकाजकंसपठवाई। धरिरुचिरदेहनँद
गेहपूतनाआई ॥टेक॥ गोपीकेरूपअनूपअंगछबिछाई।
नगजड़िततड़ितद्युतिभूषणअंगबनाई ॥ सबजकेसके
नहिंरोकिलोगसमुदाई । गैचलीभलीबनिजहांयशोदा
माई ॥ दोहा ॥ आईसुन्दररूपधरिअस्तनगरललगाय।
तिलोत्तमारंभारतीकीसुरतनयाआय ॥ छबिनिरखिह

रखियशुदानेढिगबैठाई। धरि० १ मटकायनैनकहिबैन
कीनचतुराई। नँदलालभयोततकालखबरिमैंपाई॥छल
सानीबानीकहिपलनाढिगआई। लखिहँसीशसीमुखचू
मिकैलीनउठाई॥दोहा॥ छलकरिपयप्यावनलगीमोहन
खींचतप्रान। बिकलकहैतेरोतनययशुदाकालसमान॥
गेप्रानजानजबभागीनभअकुलाई। धरिरुचिर० २ अ
तिशुचमुखकुचकोदृढ़िकैधराकन्हाई। गैदूरिभूरिनगरीते
ताहिगिराई॥ जेहिथलीगिरीवहछलीदेहप्रगटाई। भा
शोरघोरद्रुमटूटेमहिथहराई॥ दोहा॥ ब्रजजनडरपेश्याम
बिनयशुदादेखाधाम। ब्याकुलढूंढ़तगेसकलजहांपिय
तकुचश्याम॥ लियोधायउठायकैअहिजिमिगइमणिपा
ई। धरिरुचिर० ३घरआनदानदियेबिप्रनबजीबधाई।
कहैंआजईशहरिशीशतेमौतबचाई॥ आनंदनंदयुत
यशुदामणीलुटाई। बहुयंत्रमंत्रमोहनपरफूंकडराई॥
दोहा॥ मारनआईताहिप्रभुजननीकीगतिदीन। कहैराम
परसादकोजिनभगतीबशकीन॥ अघहरणचरणमनभ
जैनक्योंसुखदाई।धरिरुचिर०४ सुनिहालकंसनँदलाल
पूतनामारी। अकुलायजायखलबैठसभाभैभारी॥ टेक॥
सबबीरधीरहोबड़ेबड़ेबलकारी। कोउनंदकुमारकोमारि
कैमोहिंउबारी॥ श्रीधरकरबीरालीनलोभअधिकारी।
हरषायआयनँदधामकपटतनधारी॥ दोहा॥ यशुदापा
नीकोगईश्रीधरबैठेधाम। पलनेसेउठिविप्रलखिजीभ
मरोरीश्याम॥ यहहालदेखिवेहालकंसबुधिहारी। अकु
लाय०१ अतिछलीबकासुरबलीदुष्टयकबारी। हरषात
गातआयोजहँकुंजबिहारी॥ करएकफेंकतेहिदीन्हेनगर

प्रहारी। झटकंसनिकटसोगिराकथाकहिसारी॥ दोहा॥
भूपतिसोबालकनहींईश्वरतनबलवान। मोहिंफेंकायक
हाथसोअसकहित्यागेसिप्रान॥ यहसुनाकंसशिरधुना
मोहिंयहुमारी। अकुलाय०२मतिडोलिबोलिशकटासुर
लीनहंकारी। सुखभयोगयोजहँसोवतमदनमुरारी॥ ख
लनिपटकपटकरबैठोदेहसँभारी। तकिघातलातपलका
सेउछरिहरिमारी॥ दोहा॥ जायगिरासोकंसढिगमरादेखि
भयमानि। तृणावर्त्तकोकंसपुनिपठवासुयशबखानि॥
गयोजहांश्यामसुखधामकीनिअँधियारी। अकुलाय०३
अतिमोदगोदप्रभुकोलीन्हेमहतारी। तनभारसँभारन
सकीसोदीनउतारी॥ तेहिकाललालकोलैगयोखलछल
कारी। तेहिमारिडारिसबब्रजकीधुंधनिवारी॥ दोहा॥
हरिकोसबखोजतफिरैं नंदयशोदामाय। देखोराक्षस
देहपरगोपिनलीनउठाय॥ करियादरामपरसादमगन
नरनारी। अकुलायजायखल बैठसभाभैभारी ४
करिगवनगोकुलाभवनगरगमुनिआये। पदबन्दयशो
मतिनन्दहियेहरषाये॥ टेक॥ करजोरिनिहोरिकैनन्द
कहीमृदुबानी। सुतजनमकालकोहालकहोमुनिज्ञानी॥
पंचांगनिहारिविचारिकैबातबखानी। येआदिअनादिहैं
ब्रह्मभगतसुखदानी॥ दोहा॥ शेशगणेशमहेशयुतजपतहैं
इनकोनाम। सोप्रभुतुम्हरेसुतभयेसुन्दरतनघनश्याम॥
सुखदाईकन्हाईनामवेदयशगाये। पदबन्द०१भादोंकी
रातिसबभांतिअँधेरीछाई। आठैंनिहारबुधवाररोहिणी
आई॥ अतिबरसंवतसरसोमनअतिसुखदाई। नशै
रोगयोगहरषनकीयहप्रभुताई॥ दोहा॥ अतिउत्तमहैं

वृषलगनउच्चकेशशिशुभठौर। होइहैतनकोअधिकसुख सत्यबचनहैमोर ॥ चलसैनसंगरसरंगमोदउमगाये । पदबन्द० २ चौथेघरदिनकरसिंहकेमहिजैकरिहैं। बल कारिमारिमातुलकोदासदुखहरिहैं ॥ पंचमबुधशुभक न्याकेसोयहुफलकरिहैं । सन्तानबहुतबलवाननटारेट रिहैं॥ दोहा ॥ शुक्रहैषष्ठमतुलायुतकरैशत्रुकोनास । ऊँ चनीचनारीरमैसप्तमराहुनिवास ॥ कहौंसांचलीजिये यांचमैंदेहुँबताये। पदबन्द० ३ मङ्गलभलमकरकोभा गरुथानपरोहै । दरशातभांतबहुसुखऐश्वर्य्यकरोहै ॥ अष्टसिद्धिनवनिद्धिसेभवनभरोहै। हैहेतुकेतुतनमेंअति श्यामखरोहै ॥ दोहा ॥ चोरीकरिहैदूधदधिनन्दबचनसु नमोर। दैअशीशगेगरगमुनिचिरंजीवसुततोर॥ तजि बादरामपरसादचरणचितलाये। पदबन्द० ४ कहींमें बारहजारबुझाय। श्यामसुखधामक्योंमाटीखाय ॥टेक॥ मेरेघरपरनहिंवस्तूकौन । सोहावैखावैलैकेजौन ॥ भ रोहैधरोदूधदधिभौन। मँगावोंलावोंमाँगोजौन॥ दोहा॥ माखनऔमिसिरीधरीखीरखांड़बहुभांत। मालपुआपू रीधरीपेड़ानातूखात॥ ऐसेमुँहकैसेमाटीसोहाय । श्या मसुख ०१ मातयहबातकहीतोहिंकौन । डेरातसुबा तकहीसुखभौन॥ बतावैआवैमोढिगतौन । यहीहरिक हीरहीकैमौन॥ दोहा॥ कहैयशोदासांचतूहोनचहैयहिका ल। मुँहखोलोदेखोंबिनामाटीकोहैलाल॥ गोपालविशा लदियोमुखबाय। श्यामसुख०२ लसैबिचआननकानन भार । इन्द्ररबिचन्द्रऔशम्भुउदार॥ भूमिनवखण्डब्र ह्मण्डपहार। चराचरबिचरतदीखनिहार॥ दोहा ॥ दे

खोब्रजयमुनासहितवृन्दाबनसबग्वाल । शेशसुरेशग
णेशयुतनिरखतभयेबेहाल॥ नडोलतबोलतउरअकुला
य॥श्यामसुख०३ जानिअकुलानिमातुनँदनन्द। दीनल
खिकीनश्यामसुखबन्द ॥ दासदुखहरतकरतशुभछन्द।
बानीसुखसानीकहीब्रजचन्द ॥ दोहा ॥ मैंमाटीखाईनहीं
झूँठकहतसबमोहिं । दुबेरामपरसादकहेंदेखिपरीकहुँ
तोहिं ॥ निरखिछबिहरषिलीनउरलाय । श्यामसुख
धामक्योंमाटीखाय ४ बरजोमनमोहनमैया । करैकौन
अठावँकन्हैया ॥ टेक ॥ नितदधिमाखनकीचोरी । स
बझूँठबातहैतोरी ॥ चलुदेखुदहेंड़ीफोरी । तूफोरत
क्योंनधरोरी ॥ दोहा ॥ मैंधाईपायेनहींभागिगयेगोपाल।
भागिश्यामकैसेसकैंतूतरुणीवेबाल ॥ उनकीकोदुन्दि
सहैया। करैकौन ०१ मैंताकिरहीनँदरानी । फिरिकैसे
करीनुकसानी ॥ जबभरनगईमैंपानी । तबमोहनकैसे
जानी ॥ दोहा ॥ कहूँछिपेबैठेहतमोकोजानीजात । तूह
रिकोदेखानहीं झूँठीतेरीबात ॥ बिनहरिकोदुन्दिकरैया।
करैकौन ०२ तुमहरिकोसूधबताओ । हैऔगुणकौनदे
खाओ ॥ सबदहीदूधढरकाओ। जोहोयबिलारिनखा
ओ ॥ दोहा ॥ यामेंमोकोकौनसुखझूँठीकहौंबनाय। यौब
नमदमातीफिरोयाहीसोंअठिलाय ॥ घरमेरेननँदकाभै
या। करैकौन०३निजसुतकोनहींसुधारै। बिनऔगुणको
सुतमारै॥ सबभानुकसानहमारै। बिनदेखेकौनपरडारै॥
दोहा ॥ घरमेंजोधरिपाइहौंखूबनचैहौंनाच। दुबेरामपर
सादकहैतबमानौमैंसांच ॥ निजदधिकोबुरोकहैया। करै
कौन ०४ बैठियशोदामोहनकोलगिमाखनरोटीखेलाने

को। हरिमायाकीआगिसेलगादूधउफनानेको॥ टेक॥ दी
खदूधउतरातयशोदामोहनकोतजिकैधाई। हमसेप्यारा
दूधकोजानतिहैयशुदामाई॥ दहीदूधकेपात्रफोरिआंग
नमेंछांछसबबगराई। लैकैमाखनसखनकोबांटिसाथमोह
नखाई॥ दोहा॥ यशुमतिदूधउतारिकैदेखोआंगनबीच।
दहीदूधफैलोफिरैमचीछांछकीकीच॥ लगीयशोदामोह
नकोलैछड़ीहाथभुंभुलानेको। हरिमाया०१ आगे
आगेश्यामयशोदापीछेदौड़ीजातीहै। मानोंघनकेपछा
रीदामिनिसीछबिछातीहै॥ बहुतहुईहैराननहींमोहनको
पकरेपातीहै। धरोश्यामकोघेरिव्रजबनितोंकोगोहराती
है॥ दोहा॥सुरनरमुनिपावतनहींध्यावतहैंदिनराति। सो
प्रभुकोलाठीलियेयशुमतिखेदेजाति॥ थकितजानिहो
गयेखड़ेमनमोहनलागबँधानेको। हरिमाया०२ मोहन
कोबांधनयशुदाघरसेरसरीलाईहै। गांठिलगातेघटी
दोअंगुलऔरमँगाईहै॥ घरघरसेगोपीलाईरसरीफिरि
श्यामघटाईहै। श्यामबँधैनानयशुमतिसमुझीप्रभुप्रभु
ताईहै॥ दोहा॥ जासुनामजपिअतिकठिनभवबंधनकटि
जाय। तेहिप्रभुकोयशुमतिकसैनिजकरगांठिलगाय॥
लखिजननीअकुलानिबँधेहरिगेबलबीरछुड़ानेको। हरि
माया०३ हेमइश्यामोहनकोगुणगणशेशमहेशसेगाते
हैं। नेतिनेतिसेबखानैबेदपारनापातेहैं॥ छोड़देसोमोहन
कोयशुदाकहैयेनामधरातेहैं। माखनचोरीकरैसबब्रज
मेंमोहिंहँसातेहैं॥ दोहा॥ यशुदाजीमानीनहींबहुतकही
बलराम। अपनीइच्छासेबँधैनिश्चयजानियश्याम॥
गयेनिकटबलरामदेखिमोहनकोलगेमुसुक्यानेको। हरि

माया० ४ ऊखलखींचीश्यामसुंदरयमलार्जुनतरुतर आये । सुतकुवेरकेवृक्षमेंशापमहामुनिकोपाये ॥ ऊखलडारिबीचमेंमसकेगिरेभूमिमेंभहराये । नलकूबरऔ प्रगटमणिग्रीवभयेशुचितनपाये ॥ दोहा ॥ निर्विकारनिर्गुणअजयबेदनपावतपार । सुरमुनिहितनरदेहधरिभंजनधरणीभार ॥ चढ़िबिमाननिजलोकगयेसुरलगेबिमलयशगानेको । हरिमाया० ५ गिरोवृक्षभाशोरघोरसुनिधायेब्रजकेनरनारी । फिरेढूंढ़तेश्यामकोनन्दयशोदामहतारी ॥ लीनधायउरलायनन्दजीभयोहरषउरमेंभारी । पुनियशुदानेलगायोकंठनिरखिमूरतिप्यारी॥ दोहा ॥ आजुमहाभावीटरीदीननन्दबहुदान । महाभयानकवृक्षतेबचेश्यामकेप्रान ॥ कहैंरामपरसादगायगुणलागेचंगबजानेको । हरिमाया० ६ वृन्दाबनमेंजबनन्दबसेहरषाई । भावृन्दाबननन्दनबनकीसमिताई ॥ टेक ॥ यकबारचरावनबछराहरिहठठान्यो । हटक्योपितुमाताबहुतश्याम नहिंमान्यो ॥ वृन्दाबनमेंबसेनंदकंसयहजान्यो । खल पठैधेनुकासुरबलबिपुलबखान्यो ॥ दोहा ॥ बछराबनिबछरनमिलाचरनलागअज्ञान । हरिअंतरयामीकपट ताकोलीन्होजान ॥ धरिचरणपछारोभूमिपैजोरभँवाई। भावृन्दाबन०१ फिरआयोबकासुरअसुरदेहधरिभारी। फैलायबैठमुहँमारगमेंभयकारी ॥ नादेरलगीमुहँमेंपैठेब नवारी । मुहँबन्दकियाहरिदेहसेआगिनिकारी ॥ दोहा ॥ लागजरैताकोहियोबाहरदीन्हेसिडारि।दाबिचोंचयकच रणसेहरिमुखडाराफारि ॥ जैजैधुनिकरिदेवनदुंदुभीब जाई। भावृन्दाबन० २ सुनिमराबकासुरकंसबहुतघब

रायो। ततकालअघासुरकोकरिबोधपठायो॥ अजगर
कोरूपधरिमहाभयानकआयो। मानोगिरिकन्दरखोह
अँधेराछायो॥ दोहा॥ ग्वालबालबछरनसहितजायघुसे
ततकाल। तिनकीरक्षाकरनहितआपगयेनँदलाल॥भा
सिद्धिकाजमुहँबन्दकियासुखदाई। भावृन्दाबन० ३ आ
नंदकंदअहिपेटमेंजायबढ़ेहैं। रुकिगईश्वासब्रह्मण्डहो
प्राणकढ़ेहैं॥ हरषेंबरषैंसुरफूलबिमानचढ़ेहैं। दुंदुभी
बजैंसुरजयजयशब्दपढ़ेहैं॥ दोहा॥ माखनरोटीखातहरि
सखनसहितहरषाय।कबहुँआपनीदेतहरिकबहुंकउनकी
खाय॥ कहैंदुबेप्रभुगतिअगमजानिनहिंजाई। भावृंदा
बन० ४ चतुराननकाननआठबिदितप्रभुताई। सोमोह
खोहमेंफँसेगईचतुराई॥ टेक॥ सुखधामश्यामकोबछरा
दीखचराते। यहकैसीबातदधिभातसखनकाखाते॥ क
छुजूंठअनूठकोभेदहियेनहिंलाते। नहिंपावतभेदहैंबेद
जासुगुणगाते॥ हरिमायामेंमतिठगीभगीनिपुणाई। सो
मोह० १ ततकालग्वालऔबछराआनिचोराये। गिरि
कन्दरअन्दरलैकैजायदुराये॥ आनंदकन्दयहहाल
देखिमुसक्याये। संसारअसारकेरचनेहारभुलाये॥
तेहिकालगोपालनेआपुकलाफैलाई। सोमोह० २ वैसे
बच्छेसबअच्छेग्वालसोहावन। अतिहीअनूपनिज
रूपरचेजगपावन॥ बड़ेभोरगोबर्द्धनओरगेश्यामचरा
वन। निरखिहरखिगोबछरालगींपियावन॥ मायाको
ख्यालयहहाललखाबलभाई। सोमोह०३ अतिहरषब
रषबीतेबिधिसुरतिसम्हारी। आलखेसखेबछरासुन्दर
तनधारी॥ अकुलायजायथललखिबिधिव्याकुलभारी।

लाखिसकलविकलविधिगयेजहांबनवारी॥ बनिदासपा
सगेरहेचरणशिरनाई।सोमोह० ४ करजोरिनिहोरिकै
बारबारकरिबन्दन । जैनिराकारजयनिर्बिकारनँदनन्द
न॥ भूभारउतारनजयप्रभुदुष्टनिकन्दन।अपराधअगा
धकोक्षमहुभक्तचितचन्दन॥ दैबच्छश्यामभक्तीलैदुबेम
नभाई।सोमोह० ५ गेंदलैकरमेंबनवारी । खींचकाली
दहमेंमारी॥ टेक॥ हाथश्रीदामानेधराततकाल।कहैदेव
गेंदमेरोनँदलाल॥ जानिकैदीतुमदहमेंडाल।लेहौंमैंतुम
सेगेंदगोपाल॥ दोहा॥ हरिकहैंश्रीदामाछोड़मोहिंगेंदला
ऊंमैंहेर।जायचढ़ेहरिकदमपरलगीनतनकोदेर॥ कूदेद
हमेंजनहितकारी।खींचकाली० १ गयेहरिजहांथेसोयेना
ग।देखिनागिनिकहैजातूभाग॥ लालकहुँपरेगोबिषधर
जाग।सहोगेकैसेबिषकीआग॥ दोहा॥ श्यामकहैंसुनुबा
वरीरहीकहांतूभूल । नागनाथिलैजाउँघरलादिकमलके
फूल॥ सुनतनागिनिकोपीभारी।खींच० २ जगायोनाग
कोनागिनिधाय।उठाकालीकरालअकुलाय॥ देखिमोह
नकोक्रोधबढ़ाय । एकसौफणकीचोटचलाय॥ दोहा॥ ह
रिकेबिषब्याप्योनहींभयोनागहैरान । मनमेंशोचैबाल
यहुमन्त्रनमेंगुणवान॥ देहनिजतनसेबांधिडारी । खीं
च० ३ श्यामकेतनमेंमिलिकाली । देहसबकसिकैबँ
धिडाली॥ बढ़ानिजदेहकोबनमाली । नाथचढ़ेफणपै
बजाताली॥ दोहा ॥ दैठोकरफणपरनचैंबिकलकरदि
योप्रान॥ गिरोशिथिलहोभूमिपरदूरिभयोअभिमान ॥
करैंसुरगन्धबजैकारी।खींचकालीदह० ४ नागहोदीन
बिनयकीन्हीं । शरणमेंमोहनकीलीन्हीं॥ शीशपरअ

भयछापदीन्हीं। भगतिकरुणाकरकीचीन्हीं॥ दोहा ॥ना
गनाथिबाहरकढ़ेमगनभयेनरनारि। गाकालीनिजद्वीप
कोखगपतिकीभयटारि॥ रामपरसादकीधुनिप्यारी। खीं
च० ५ सुखनिवाससुन्दरसुवासपूरणप्रकासद्युतिगोरी
का। सकुचतरतीसतीसुरतीमुखलखिवृषभानकिशोरी
का॥टेक॥छबिसरसातलजातदेखिजलजातसुकोमलता
ईसे। अलिपगधरतकरतसुखरसलैलहतनसुखसमिता
ईसे॥जूहीदीनमलीनकीनगुड़हरकाबितनअरुणाईसे।ज
लजगयोलजिथलजकीक्यागतिसमिताकरैनिकाईसे॥
जातमुकुरकबिनिकरमुकुरकहिसमलखिकीमतथोरीका।
सकुचतरती०१ कबिबुधिरंकसशंककहैसम प्रगटकलंक
कोटीकाहै। क्योंसमलहैरहैनभमगदुखसहैदिवसद्युति
फीकाहै॥ कलाकलाकरिघटतकलानिधिभलानभराअ
नीकाहै॥बिदितख्यातयशतातभ्रातसमकहैनहींशशिनी
काहै।मननहिंबसीशसीकीसमिताहँसीहैमित्रचकोरीका।
सकुचतरती० २मुखकीबनकसमुझनहिंलागततनकक
नकद्युतिप्यारीहै।पावकपरतजरतगलगलकैढरतसहत
दुखभारीहै॥ द्युतिनिहारदीटारवार चपलागँवारभैका
रीहै। लखिखराबदीदाबआबमहताबनकीत्तिंबगारीहै॥
भालबिशालमेंलाललालछबिदेतबुन्दअतिरोरीका। स
कुचतरती० ३ कबितनकहीसहीउपमानालहीसकल
कविछाकेहैं। शुकसनकादिआदिब्रह्मादिक शेशगणेश
सेथाकेहैं॥ जगकरताभरताहरतामनमोहनजोमुखता
केहैं। इन्द्रानीबानीब्रह्मानीकेमुखनहिंसमिताकेहैं॥ फ
बीछबीसदकबिनकहीसोकहतदुबेमतिथोरीका। सकुच

तरती० ४ कौनकामघनश्यामप्रातउठिधामहमारेआ
येहौ। जाहुवहांनँदलालचाललटपटीजहांसेलायेहौ॥
टेक॥ जागेसारीरैनबैनकिनकेरँगलालरँगायेहौ। बिन
गुणमालबिशाललालउरमिलीभलीझलकायोहौ॥ बि
थुरेशिरकेकेशवेशअद्भुतयहआजबनायेहौ। आलसयु
तसबगातनीलजलजातमेंअधिकसोहायेहौ॥ जमुहाई
युतअंगढंगसबदिखतभंगसीखायेहौ। जाहुवहीं० १
नखरेखाउरबसीकौनउरबसीकोहियेबसायेहौ। कढ़त
नमुखसेबोलमोलबिनकिनकेहाथबिकायेहौ॥ बेणीउप
टीबांहभरीउरचाहजोचित्तफँसायेहौ। रदकपोलमेंलाग
प्रगटहैदागनदुरतदुरायेहौ॥नेकनसुरझीउरझीबिरझी
भलीयेपागबँधायेहौ। जाहुवहीं० २ कौनकाजब्रजराज
आजतुमठाढ़ेनैनझुकायेहौ। जाहुउन्हींकेभौनखींचक
समौनहियेसकुचायेहौ॥ आवेकोतुमकहीभलीसुधिर
हीप्रातउठिधायेहौ। जावोगेफिरबकेखड़ेकसजकेहिये
सकुचायेहौ॥ तुमकससौंहैंखातबातसबढंगसेदेतजता
येहौ। जाहुवहीं० ३ जावकलाग्योभाललालकेहिपरि
परिपांवमनायेहौ। लेहुमुकुरमेंदेखियेबन्दनरेखजातमुक
रायेहौ॥ अधरनअंजनश्यामदीनकेबामनदुरतपोंछा
येहौ। दुबेरामपरसादयादवाकीतुमअबैलगायेहौ॥
पीताम्बरकहँतजानाथयहुनीलाम्बरकहँपायेहौ। जाहु
वहीं० ४॥ छन्दऊधोगोपिनका॥ घनश्यामधामब्रजग्राम
करीजबत्यागन। बिनलालबालतबकीऊधोबैरागन॥
टेक॥ दिनरैनचैननाजबसेश्यामसिधारे। तजिचन्दन
बन्दननाहमअंगसवांरे॥ बिनकानकाननाकरणफूल

फिरिडारे। बँधिगयेलटाज्योंजटाकेशअतिकारे॥ दुख
देतमैनदिनरैनश्यामबिनजागन। बिनलाल० १ आ
भ्यंजनव्यंजनषटरससबतजिदीन्हे। रदमंजनऔदृग
अंजनकबौंनदीन्हे॥ दृगदृष्टअष्टभैलोगपरतनाचीन्हे।
मगजोवतरोवतश्यामबिरहचितकीन्हे॥ सबकाननकेव
हजाननकेबनभागन। बिनलाल० २ बस्तरनबीनत
जिदीनजीर्णमनभाये। तजिहारभारसमभारदेततनता
ये॥ हरिहरिकरिकरिनिशिदिनयुगसरिसबिताये। त
जिरागरंगहरिबिनकृशअंगबनाये॥ सहिजातगातनहिं
बातश्यामकीलागन। बिनलाल ० ३ दिनराति
जातियहिभांतिदेहनिजजारन। हमयोगिनिबामबियो
गिनिहरिकेकारन॥कहैंदुबेरामपरसादनयादबिसारन।
हरिसुरतिमुरतिपरतनमनआपनवारन॥ हांसीकिबात
हरिदासीकीनिसोहागन। बिनलालबालतबकीऊधो
बैरागन॥ ४ ऊधोसूधोमगछोड़िकोभटकनजावै।
सुखभोगत्यागकोयोगरोगमगधावै॥ टेक॥ जेहिअंकनि
शंकहोभेटेकुंवरकन्हाई।जलजातगातनहिंजातहैधूरल
गाई॥जेहिकानकान्हबंशीकीतानसुनाई। करिछेदखेद
लहिमुद्रापहिरिनजाई॥ करिज्ञानदीखयहसीखभीख
नहिंभावै। सुखभोग० १ रचरचकचनिजकरश्याम
सुगंधलगाये। सोलटाघटासमजटानजातबनाये॥
पकवानखीरयुतक्षीरनीरबिनपाये। बिनखानपानदिन
कौनपैज्ञातबिताये॥ तजितूलफूलयुतसेजकोकास
बिछावै। सुखभोग० २ जेहितनसजिअम्बरपाट
पटंम्बरजाली। तेहिअंगसंगनहिंसोहतकमरीकाली॥

मनहरणस्वरणआभरणसजतरहिआली। करदूरभूर सोंजातनसेलीडाली ॥ हरिरवनभवनतजिकोबनधुनी रमावै। सुखभोग० ३ यदुनाथसाथनिजलैलैचित्त हमारा। बिनमनजनबसिवनकरैकोयोगतुम्हारा ॥ हरिहरिकरिकरिघरिपलमोहिंयहीसहारा। पदरजतजि भजिनहिंऔरकोमोरगुजारा ॥ द्विजरामप्रसादको बादबिवादनभावै। सुखभोगत्यागकोयोगरोगमग जावै ४ ॥ छन्दद्रोपदी के चीरहरण का ॥ अकुलातगातकहै बातजातयहिबेरी। कुरुपतिजड़मतिपतिलेतहैयदु पतिमेरी ॥ टेक ॥ गजराजकाजखगराजत्यागतुम धाये। खलमारिउधारिमुरारिगियन्दबचाये ॥ घन घोरजोरचहुंओरतोरपुरछाये। गिरिवरकरधरनरनाग अमरयशगाये ॥ धनिधनिप्रभुतुमब्रजजनकीबिपति निबेरी। कुरुपति० १ पितुत्रासखासप्रहलाददासके कारन। नरहरितनधरिकरहरणाकुशसंहारन ॥ वरदीन कीनभयहीनदीनजगतारन। यशशेशसुरेशमुनेशलाग उच्चारन॥सुरगावैंहियेहरषावैंबजावैंभेरी। कुरुपति० २ मुनिधीरतीरसबबीरभीरअधिकारी। सुतपौनमौनअब कौनभौनबलभारी ॥ यहिबीचमीचमलिनीचखींच रहासारी। कहौंटेरटेरममबेरदेरकरडारी ॥ पछिताय हायकहैजायबातहरिकेरी। कुरुपति० ३ हरिहरि करिकरिभरिभरिजलदृगजबरोई। लखिपीरभीरयदु बीरचीरमेसोई ॥ खलजकेथकेसुरछकेतकेसबकोई। हरिरामप्रसादअनादबादजगजोई ॥ आनन्दकन्द ब्रजचन्दशरणमैंतेरी। कुरुपति० ४ कहौंजोरिहाथ

ब्रजनाथमैंशरणतुम्हारी । कुरुराजआजमोहिंचाहत
करनउघारी ॥ टेक ॥ तजिशरमधरमसुतमानिबैठ
उरहारी । पञ्चितातगातपथभीममहाबलभारी ॥ गुरु
द्रोणमौनभीषमनानीतिबिचारी । सबबीरधीरलखैंकर
णआदिधनुधारी ॥ दोहा ॥ बातकोऊनहिंकहिसकत
राजारावअमीर । दुष्टदुशासनकरगहेमध्यसभामेंचीर॥
सबबन्धअंधसुतचहतबजावनतारी । कुरुराजआज०
१ यदुनायकजनसुखदायककुंजबिहारी । यदुनन्दन
कंसनिकन्दनमदनमुरारी ॥ आनंदकंदब्रजचंदश्रीबन
वारी । सुखधामश्यामगोपीपतिहेगिरिधारी ॥ दोहा ॥
जसब्रजकीरक्षाकरीगिरिकरधरगोपाल । दावानलको
पानकरिलिन्हेउदीनदयाल॥ खलमारिउधारिअनेकसं
तभयटारी । कुरुराजआज० २ गजराजकाजखगराज
त्याजदैतारी । गयोधायपियादेपायँदासभैटारी ॥ नर
हरतनधरप्रहलादकीबिपतिनिवारी । सुरकामश्याम
तुमछलीजलंधरनारी ॥ दोहा ॥ रामचंद्रअवतारधरि
बांधिसिंधुमेंसेतु । महाबलीरावणबधादासबिभीषण
हेतु ॥ खलशालनजनप्रनपालनकीर्तितुम्हारी । कुरु
राजआज० ३ केहिकारणहेजगतारणसुरतिबिसारी ।
फिरआयेकापञ्चितायेदेखिउघारी ॥ कीजैसहायअब
हायनाथयहिबारी । प्रणतारतआरतहरणहौंशरण
तुम्हारी ॥ दोहा ॥ बासुदेवगोबिन्दप्रभुहेमोहनबल
बीर । दुबेरामपरसादकहिकृष्णभरेसिदृगनीर ॥ तत
कालगोपालनेआयबढ़ाईसारी । कुरुराजआज०४ ठुमु
कठुमुकपगधरतधरणिपरखेलतमोहनआंगनमें । छि

छिछमछिछिछिछमबजैंपैंजनियांलखिहरषैंयशुदामनमें ॥ टेक ॥ करकंचनकेकड़ेबिराजैंपांवमेंसोहैं पैंजनियां । उरमलियाबघनखाबिराजैकटिमेंसोहैकरधनियां॥ पीत भंगुलियालसैश्यामतनशिरपरटोपीचौतनियां। लटप टायपगधरैंधायजावैंठेंयशुदाकीकनियां ॥ धूरिभूरिछ विदेतमनोहरमोहनकेसुन्दरतनमें। छिछिछम० १ कबौं हाथगहिचलैंबस्त्रगहिकबौंमातुपगलपटावैं । कबौंधाय हँसिलुकैंधाममेंनाटेरैबाहरआवैं॥ कबौंमचलिहठकभूप रैंकबौंकरिरुदनलेटिभूपरजावैं । माखनमिश्रीलियेयशो दाधूरिभारिसुतसमुभावैं ॥ नितनवमंगलकरताबिहारी जिसदिनसेब्रजमेंजनमें। छिछिछम० २ कबौंघूमिफिर कइयांदेवैंकबौंहँसैंदैंदैतारी। कबौंकहैंमुखतोतरिबातैंक बौंकूकदैंकिलकारी ॥ कबौंघुटुरुवनचलैंदेखछबिसुख पावैंसबनरनारी। कबौंहँसतबाहरभागैंधरिलावैंयशुदा महतारी ॥ शुभयुगदसनहसनमेंचमकनजनुदामिनि सुन्दरघनमें। छिछिछम०३ शेशागणेशमहेशवेशअमरे शकथैंनिशिदिनबानी। पावतवेदनभेदजासुयशगावत हैंसुरमुनिज्ञानी॥ निशिबासरध्यावतहैंपावतकबौंध्यान जिसकाध्यानी । सोप्रभुकोपयपिलापिलामुहँचूमैंनन्द जीकीरानी ॥ दुबेरामपरसादकहैंप्रभुबसौयमनवृन्दाव नमें। छिछिछम० ४ करजोरिनैनभरिनीरकरौंप्रभुबन्द न। दुखदूरिकीजियेबेगिदेवकीनन्दन ॥ टेक॥ करुणा करिकरुणासुनिगजराजकिबानी । खगपतितजिधायो लियोचक्रनिजपानी॥ करियतनहतनकियोग्राहदुष्टअ भिमानी । गजराजकोसंकटहरयोसंतसुखदानी ॥ तुम

प्रणतपालमहराजदासदुखभंजन । दुखदूरि० १ प्रह
लादनेमुखसेआरतबचनउचारा । खम्भासेप्रगटहोहर
णाकुशकोमारा ॥ भूभारहरणतुमजनप्रह्लादउबारा ।
तुमहोप्रभुदीनदयालयेसुयशतुम्हारा ॥ श्रुतिसंतनिरं
तरकहैंलहैंआनन्दन । दुखदूरि० २ दुरपदीकेऊपरप
रीबिपतिजबभारी । कुरुराजसभाबिचचाहतकरनउघा
री ॥ लखिमौनधरमयुतभीमपार्थधनुधारी । कहैआहि
पाहिहेआरतहरणमुरारी ॥ अम्बरबढ़ायअतिलजित
कियोमतिमन्दन । दुखदूरि० ३ निगमागमशम्भुसुजा
नसुयशअसगावै । प्रभुनामलेतदुखघातकपुंजनशावै ॥
तबदुबेरामपरसादचरणचितलावै । हांसीकिबाततापर
इतनादुखपावै ॥ अबतोकरिदीजैदयाभक्तचितचन्दन ।
दुखदूरि० ४ सुखधामरामपदभजोतजोसबखटका । सं
सारअसारनिहारफिरेक्योंभटका ॥ टेक ॥ सुततातभ्रात
पितुमातनारिसमुदाई । नादानमानस्वारथहितकरतमि
ताई ॥ मनकरुविचारपरिवारसकलदुखदाई । भवधार
अपारमेंबूड़तकौनबचाई ॥ श्रुतिबरणीतरणीशुभयशना
गरनटका ॥ संसार ०१ सुखरासीतजिचौरासीमेंकरिफेरा ।
धनधर्योमर्योमुखसेकहिमेरामेरा ॥ जगसपनाअपना
जानैकौनकहुतेरा । तजुकोहमोहहोरामचरणकोचेरा ॥
तजुआशनाशहैअवशिएकदिनघटका । संसार ०२ ब
लवानबाणरावणहिरण्याक्षगनाये । भसमासुरमुरहरणा
कुशशिवबरपाये ॥ करिनीतिजीतिजगअपनीबांहबसा
ये । मतिपोचशोचअसबीरकालनेखाये ॥ जन्तरमन्त
रकछुचलैंनटोनाटटका । संसार ०३ मनचेतअचेतहोतू

बकीबेरघेरमैंघरमेंजोहरिकापइहौं ॥ अबतौनहींकहौं कछुतुमसों वाहीदिनकहिहौं । हरिकैधरिकैबांहयशोदा तुम्हरेढिगलैहौं ॥ दोहा ॥ जानिपरीवाहीदिनासांच भूंठपनमोर । मोहिं चोरी करतेमिला जौनदिनासुतते र ॥ देहौंरामप्रसाददेखाई । बरजोमनमोहनमाई ४ ॥ छन्दमोतीदामघुनिदेश ॥ धरोदधिचोरतकोदिनरात । सखी सबखूबलगावहुघात ॥ टेक ॥ यहीमतजीअपनेसबठा न। गयेजबमोहनमाखनखान ॥ गिरीमटकीगइआहट जान । खड़ीदरवाजेहै नारिसुजान ॥ दोहा ॥ हरिजानी त्रियद्वारपरखड़ीधरनकेकाज । आहटपाकेछपिरहेघर भीतरब्रजराज ॥ पुकारतहीसखिलागिजमात ।सखीस ब० १ .घुसीघरमेंजबचातुरबाम । लखेजबनैनछिपे जहँइयाम ॥ गहाकरखींचकसागहिदाम। यशोमतिकेस बरीगइँधाम ॥ दोहा ॥ हरिग्वालिनकेपतिबनेआपनरूप दुराय । सखीमारमुखयोंकहैऔरलेहुदधिखाय ॥ कहैय शुदालखुहैतबतात। सखीसब०२कहीहमवादिनबारह ज्ञार।यशोमतिनातुमकीनविचार॥लखोसुतयेअबआय तुम्हार।दहीअरुमाखनलेहुँनिकार ॥ दोहा ॥तूमाईचंचल नहींनन्दबबानाचोर । यामेंकारणकौनहैसुवनचोरजोतो र ॥ सुनैयशुदानिकलीअकुलात।सखीसब०३लखायशु दाजबहींढिगआय।धरेपतिकासखिमारलगाय ॥यशोम तिजीकहतीमुसुक्याय । तुम्हैंतुम्हरोपतिनाहिंदिखाय ॥ दोहा ॥ सखीसबैबौरीभइउकहाभांगसीखाय । मोहनना यहुकंततवसुनित्रियगईलजाय ॥ नहींमुखसेनिकसैकछु बात।सखीसब०४यशोमातिजीकहतीकरिशोर ।कहोकस

ठा

…कब्रह्मादिशिव

…प्रसादसोइयामकोबांधेग्वा

…गतिहैलाखिजात। सखीसब० ५

…हाय ग्रीषमऋतुसौतिबिताई । दुख

…शाबैरनआई ॥ टेक ॥ लागतअसाढ़भा

गाढ़घटाजबघेरी। करैमोरशोरपियख़बरनलीन्हीमेरी ॥ सावनमनभावन केमनभाईचेरी । दादुरदईमारे जारे देतअँधेरी ॥ दोहा ॥ भादोंभवननभावही सुनिझिल्लीझनकार। यकतोजारतिदामिनी दूजेमारतमार ॥ नाहटैपपीहापापीरटैकसाई । दुखदेनलेन० १ लागतकुवांरतजिहारभार समसजनी । दीडारउतारनिहारकेपायलबजनी ॥ कातिककोचन्दबिननन्दनँदनयारजनी। उपजावततापकलापसहैबिधुबदनी ॥ दोहा ॥ अगहनकोआगमभयो गयोहियेकाधीर। मदनभीरलखिपीरभैआयेनायदुबीर ॥ रहेछायजाय नहिंपातीतकपठवाई। दुखदेनलेन० २ कटैशीतभीतयहपूसमासकीकैसे। बिनलालबेहालहैबालमदनकीभैसे ॥ बाढ़ीउमाहकरिचाहपियाकीऐसे । शशिपूरदेखिसुखभूर चकोरकोजैसे ॥ दोहा ॥ पीप्यारेआयेनहीं फागनदागनलाग । लाखिहोरीगोरीजरतजगीमदनकीआग ॥ डफतालगुलालनेजरीकोऔरजराई। दुखदेनलेन ० ३ सखिचैतनिहारिबयारिचली जब भूकन । जीजारनकारन लागिकोकिलाकूकन ॥ बैशाखखाखभाअंग मदनकीहूकन । कलपरतनहींमैंजरतबिरहकेलूकन ॥ दोहा ॥ दीन्हेउजेठत

बरसतप्रीक।

दुखदेनलेनजीबरषा

इतिश्रीछन्दप्रकाश सम्पू

श्रीकृष्णजीके कवित्त ॥

वीणधरेअधरानिबजावतगावतगीतमनोहरप्यारो। कुंचितसीअलकैंझलकें अरुभालभलोअभिषेकसवांरो॥ सूरिसुतातनकूलकछारनबंदितदीननकोरखवारो। भूरिभरेबिहरैसुखसोंइनआंखनमाखनचाखनहारो १

राजतमैनमनोहरतालखिलाजतहैंगतिसोंकरिहंसी। कुंचितसीअलकावलिश्यामसजीसुखमानिजनैंमनफंसी॥ चंचलचैनभरीअँखियांमदसोंछहरीलहरीअवतंसी। बंदितशीशपैकामरियाबरबाजिरहीअधराधरबंसी २

ब्रजकीछबिदेखिकेदेवत्रिया ललचातहियेकरिकैअतुरैयां। क्योंनदियोकरतारहमैंअवतारकैगोकुलगोपलोगैयां॥ बंदिबनावतकीखगकीरअहीरकैश्यामकीलेतबलैयां। कीबिधिदेतबनायहमैंब्रजचंदहितूकरिनन्दकिगैयां ३ ॥ इति

मुंशी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेखाने में छापीगई
अक्टूबर सन् १८९१ ई० ॥
